

वर्ष-23 अंक- 21
पृष्ठ 8
मंगलवार
06 अक्टूबर 2026
प्रतः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जलकर काला हो गया है चाय...

विचार- भाषणों तक सीमित नहीं रहें नशा...

खेल- श्रीलंका से 63 रन की हार के बाद...

स्विस राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बोले पीएम मोदी

वैश्विक शांति और संस्थाओं में सुधार जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपना सहयोग जारी रखेंगे। सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में स्विस राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के साथ बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार को महत्वपूर्ण मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम वैश्विक शांति और



स्थिरता के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, भारत ने शांति की दिशा में हर सार्थक प्रयास का लगातार समर्थन किया है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। स्विस गणमान्य व्यक्ति का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा मुझे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो

रही है। मैं भारत-स्विट्जरलैंड संबंधों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूँ। पिछले साल अक्टूबर में उनके व्यक्तिगत सहयोग से, हमने ईएफटीए देशों के साथ ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह किसी यूरोपीय आर्थिक समूह के साथ भारत का पहला एफटीए है। यह निवेश, नवाचार, रोजगार और आपसी समृद्धि का एक महत्वाकांक्षी खाका भी है। इसके साथ, हम अगले 15 वर्षों में भारत में 100

बिलियन डॉलर का निवेश हासिल करेंगे और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेंगे। द्विपक्षीय संबंधों के सदियों पुराने होने पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 19वीं सदी में स्विस आल्प्स और हिमालय के बीच समानताएं देखी थीं, जबकि महात्मा गांधी ने भी इस देश में समय बिताया था, जिससे समकालीन संबंधों में ये ऐतिहासिक यादें जीवित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज, नवाचार, बुनियादी ढांचा और उन्नत तकनीक हमारी दोस्ती के मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। आज के शिखर सम्मेलन के साथ, हम अपनी साझेदारी को नई गति और ऊंचाई देने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने और राष्ट्रपति पारमेलिन ने सैन्य आदान-प्रदान, रक्षा विनिर्माण और सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशे हैं साथ ही परमाणु

ऊर्जा क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों का विस्तार करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि हमने स्विट्जरलैंड में भारत के निर्यात के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और आसान बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। इससे स्विट्जरलैंड को भारत के कृषि, फार्मा, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। साथ ही, हम भारत के अहम क्षेत्रों जैसे बायोटेक, लाइफ साइंसेज, बैंकिंग, इंश्योरेंस, फूड प्रोसेसिंग और सस्टेनेबिलिटी में नया स्विस निवेश आकर्षित करेंगे। आपसी रिश्तों को द्विपक्षीय संबंधों की मुख्य ताकत बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज साइन किए गए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट और यंग प्रोफेशनल्स एग्रीमेंट से स्विट्जरलैंड में भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं प्रोफेशनल्स और युवाओं के लिए कई नए मौके खुलेंगे।

दूसरी बार फरियाद आई तो जवाबदेही

जनता दर्शन में योगी के सख्त तेवर

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में दूर-दराज से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं तो अधिकारियों को भी साफ संदेश दे दिया। जनता की उचित शिकायत का समाधान समय पर और पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी पीड़ित को अपनी समस्या लेकर बार-बार अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित की संतुष्टि सरकार का ध्येय है। यदि कोई व्यक्ति अपनी वास्तविक समस्या लेकर दूसरी बार जनता दर्शन में पहुंचता है तो संबंधित मामले में जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर उचित शिकायत का संवेदनशीलता के साथ नियमानुसार और समयबद्ध से निवारण सुनिश्चित किया जाए। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री खुद लोगों के बीच पहुंचे और



एक-एक कर उनका शिकायतें सुनीं। उन्होंने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से कार्रवाई होगी। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में सिर्फ तेजी ही नहीं, बल्कि पारदर्शिता और गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी उचित समस्या को लंबित रखना या पीड़ित को समाधान के लिए दोबारा आने की स्थिति पैदा करना स्वीकार्य नहीं होगा। जनता दर्शन में कुछ फरियादियों ने जमीन पर जबरन कब्जे की शिकायत भी मुख्यमंत्री के सामने रखी। इस पर योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी दबंग ने गरीब की जमीन पर अवैध कब्जा किया है तो उसे तत्काल कब्जामुक्त कराया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिर्फ जमीन को कब्जामुक्त कराना ही पर्याप्त नहीं है। पीड़ित को न्याय दिलाना और दोषियों को कानून के मुताबिक सजा दिलाना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

दिल्ली प्रदर्शन से पहले सौरव दास और अभिजीत दिपके को गिरफ्तार करने की तैयारी, सीजेपी का आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया है कि सरकार उन्हें और पार्टी के अन्य नेताओं को 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले पार्टी के बड़े विरोध प्रदर्शन से पहले गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। दास द्वारा बताए गए नेताओं में सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और आशुतोष रांका शामिल हैं। यह विरोध प्रदर्शन मुख्य चुनाव आ्युक्त ज्ञानेश



कुमार के इस्तीफे की मांग के लिए बुलाया गया है, जो मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन से जुड़ा है। रविवार देर रात एक पोस्ट में दास ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि ऐसे तानाशाही भरे कदमों से तय प्रदर्शन को रोका जा सकता है, तो वह गलतफहमी में है। उन्होंने कहा कि सरकार मुझे, अभिजीत, आशुतोष, रत्ना और शर्कांकरोच जनता पार्टी के दूसरे नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। अगर सरकार को लगता है कि ऐसे तानाशाही भरे कदम काम आएंगे, तो वह गलत है। युवा पीढ़ी जाग चुकी है। हम सभी से अपील करते हैं कि वे हमारे अधिकारों और भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखें, चाहे हम साथ हों या न हों। दिपके ने भी दास के आरोपों का समर्थन किया और आधी रात के कुछ ही देर बाद एक पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। दिपके ने ट्वीट किया, कितने लोगों को गिरफ्तार करोगे अमित शाह? 10 अक्टूबर को पूरा देश आ रहा है।

संशोधित फॉर्म-6 को हमने मंजूरी नहीं दी

सीजेआई सूर्यकांत की दो टूक, चुनाव आयोग और केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसने निर्वाचन आयोग के नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 के किसी संशोधित प्रारूप को मंजूरी नहीं दी है। अदालत की यह टिप्पणी 2025 में फॉर्म में जोड़े गए एक अतिरिक्त घोषणा पत्र को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत रिकॉर्ड की जांच करना चाहती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि फॉर्म 6 में बदलाव किसने किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, संशोधित फॉर्म 6 को हमने मंजूरी नहीं दी है, यह बिल्कुल स्पष्ट है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब रिकॉर्ड अदालत के सामने आएगा तो वह देखना चाहती है कि फॉर्म 6 में बदलाव किसने किया। दरअसल, 28 सितंबर को निर्वाचन आयोग ने इस विवाद पर जारी बयान में कहा था कि फॉर्म 6 के साथ जोड़ी गई घोषणा को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आ्युक्त ज्ञानेश कुमार को निर्लंबित करने का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। उन पर आरोप है कि



उन्होंने दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सहमति के बिना एकतरफा फैसले लिए। पीठ ने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग की ओर से जवाब नहीं मिलता, तब तक वह यह मानकर चलेगी कि आयोग के फैसले कानून के अनुरूप लिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, रिपोर्ट सही हो सकती है या गलत, लेकिन हम उसके आधार पर आदेश पारित नहीं कर सकते। हमें उनके जवाब का इंतजार करना होगा।

फॉर्म 6 को लेकर क्या विवाद है?

विवाद का केंद्र ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में जोड़ी गई एक अतिरिक्त घोषणा है। इसके तहत विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नए मतदाताओं से खुद को या अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी को पिछली मतदाता

सूची से जोड़ने वाली जानकारी देने को कहा गया था। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद यह मामला और चर्चा में आया। रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस अतिरिक्त आवश्यकता पर आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया कि फॉर्म 6, निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित वैधानिक फॉर्म है। ऐसे में नियमों में औपचारिक संशोधन किए बिना इसमें प्रभावी बदलाव नहीं किया जा सकता।

जून 2025 के एसआईआर आदेश से जुड़ा है मामला

इस विवाद की शुरुआत निर्वाचन आयोग के जून 2025 के एसआईआर आदेश से हुई थी। इसमें नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 के साथ अनुबंध डी नाम से एक अतिरिक्त घोषणा का प्रावधान किया गया था।

एनएसयूआई का 'जीवित लाश' प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

नयी दिल्ली,एजेंसी। वोट चोरी के आरोपों और चुनाव आयोग की जवाबदेही की मांग को लेकर नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने सोमवार को जंतर-मंतर पर अनोखा प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने रज्जीवित लाश बनकर प्रदर्शन करते हुए कहा कि यदि नागरिकों के वोट और लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं रह जाता। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एनएसयूआई के अनुसार, शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने जाखड़ समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। श्री जाखड़ ने कहा कि वोट चोरी और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय छात्रों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई न डरेगी और न झुकेगी तथा हर मतदाता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

16 अक्टूबर से स्थानीय निकायों में 10 प्रतिशत जल कटौती लागू

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को कहा कि वह कम मानसून के बीच 16 अक्टूबर से सभी ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में 10 प्रतिशत जल कटौती लागू करेगी। राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि उनके विभाग ने 31 अगस्त, 2027 तक के लिए उपलब्ध जल भंडार को लेकर बांधवार और उपयोगिता अनुसार विस्तृत योजना बनाई है।

लोकरंजन प्रकाशन द्वारा काव्यगोष्ठी

एवं परिचर्चा का आयोजन

प्रयागराज। लोकरंजन प्रकाशन के रंजन पांडे के आवास पर एक सरस काव्य संस्था एवं परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा का मूल विषय 'बढ़ते लेखक घटते पाठक' पर व्यापक रूप से



विचार विमर्श किया गया। इस विषय पर डॉ प्रदीप चित्रांशी, उमेश श्रीवास्तव, पूनम पांडे, भगवान प्रसाद उपाध्याय, प्रोफेसर रवि मिश्र आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। परिचर्चा के बाद एक सरस काव्य गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें भगवान प्रसाद उपाध्याय, प्रदीप चित्रांशी, डॉ आदित्य नारायण, रंजन पांडे, उमेश श्रीवास्तव, पूनम पांडे, डॉ पूर्णिमा पांडे, डॉ रवि मिश्र, डॉ विभा, डॉ एच पी पांडे, मिली श्रीवास्तव, गीता सिंह ने काव्य पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ आदित्य नारायण ने किया।

PRESS
हमेशा आपके साथ



शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website

www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube

youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

बिना ठोस दस्तावेज के जमीन को शत्रु संपत्ति बताकर नहीं रोका जा सकता निर्माण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस दस्तावेज के जमीन को शत्रु संपत्ति बताकर निर्माण कार्य नहीं रोका जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस दस्तावेज के जमीन को शत्रु संपत्ति बताकर निर्माण कार्य नहीं रोका जा सकता। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिकारियों को याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण कब्जे और संपत्ति के उपयोग में हस्तक्षेप करने से रोक दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक सरन, न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ ने मुजफ्फरनगर निवासी प्रेम गोयल व तीन अन्य की याचिका पर



दिया। मामला सिविल लाइंस साउथ स्थित प्लॉट संख्या–25 (पुराना नंबर–19) से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि करीब 90 वर्ग मीटर जमीन 12 जून 2018 को एक पंजीकृत बिक्री विलेख के जरिये खरीदी थी। विकास प्राधिकरण से 16 अगस्त 2018 को निर्माण का नक्शा स्वीकृत कराया था। संपत्ति को शत्रु संपत्ति बताए जाने की शिकायतों पर जांच में भी जमीन शत्रु संपत्ति नहीं पाई गई। इसके बावजूद जनवरी 2023 में राज्य के अधिकारियों ने निर्माण रुकवा दिया। रात में निर्माण का कुछ हिस्सा गिराकर संपत्ति पर ‘यह शत्रु संपत्ति है’ लिख दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कोर्ट ने इस तथ्य पर गौर किया कि शत्रु संपत्ति के अभिरक्षक की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया था कि विवादित संपत्ति शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज नहीं है। साथ ही यह भी पाया कि राज्य सरकार शत्रु संपत्ति होने के दावे के समर्थन में ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सकी, जिससे साबित हो कि संपत्ति कभी शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज की गई थी। कोर्ट ने कहा कि केवल आरोप या दावे के आधार पर संपत्ति को शत्रु संपत्ति बताकर निर्माण रोकने की कार्रवाई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने राज्य के अधिकारियों को 90 वर्ग मीटर संपत्ति के उस हिस्से में हस्तक्षेप करने से रोक दिया है, जिसका नक्शा स्वीकृत है। इसके साथ ही याचिका स्वीकार कर ली।

प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी व अलीगढ़ रेलवे स्टेशनों पर बनेगा रूफ टॉप रेस्टोरेंट

प्रयागराज। भारतीय रेलवे यात्रियों को स्टेशनों पर ही आधुनिक और बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी



और अलीगढ़ रेलवे स्टेशनों पर रूफ टॉप रेस्टोरेंट बनाए जाने की तैयारी शुरु कर दी गई है। भारतीय रेलवे यात्रियों को स्टेशनों पर ही आधुनिक और बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी और अलीगढ़ रेलवे स्टेशनों पर रूफ टॉप रेस्टोरेंट बनाए जाने की तैयारी शुरु कर दी गई है।

सुविधा को वित्तीय वर्ष 2026–27 के भीतर धरातल पर उतारने की योजना है, जिसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरु की जाएगी रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों को लजीज व्यंजन का लुत्फ उठाने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि यह स्टेशनों की आय बढ़ाने के साथ–साथ उनके कायाकल्प में भी अहम भूमिका निभाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन रेस्टोरेंट्स के निर्माण का कार्य तेजी से शुरु कराया जाएगा। प्रयागराज जंक्शन के सिविल लाइंस साइड में बनी नई बिल्डिंग की छत पर रूफ टॉप रेस्टोरेंट बनेगा। इसी तरह अलीगढ़ में भी सेकंड इंट्री साइड वाली बिल्डिंग में एवं कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन की भी बिल्डिंग की छत पर रूफ टॉप रेस्टोरेंट बनाएं जाने की तैयारी चल रही है। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि वाणिज्य विभाग की ओर से इस संबंध में टेंडर प्रक्रिया आने वाले दिनों में की जा सकती है।

पुरी शंकराचार्य बोले: सभी के पूर्वज वैदिक सनातनी आर्य हिंदू, सभी पंथों के लोगों को अपना ही मानना चाहिए

प्रयागराज। गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि सभी के पूर्वज वैदिक सनातनी आर्य हिंदू हैं। इसलिए सनातन धर्म से अलग हुए पंथों को भी स्वयं को सनातन धर्म से संबंधित ही मानना चाहिए।

गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि सभी के पूर्वज वैदिक सनातनी आर्य हिंदू हैं। इसलिए सनातन धर्म से अलग हुए पंथों को भी स्वयं को सनातन धर्म से संबंधित ही मानना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस तरह वटवृक्ष से अलग हुई शाखा की दुर्दशा होती है, उसी तरह सनातन से अलग हुए पंथों की भी गति होती है। शंकराचार्य ने मैकाले की थ्री सी शिक्षा पद्धति को भारत की सामाजिक और शैक्षिक व्यवस्था के लिए दुष्प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

रविवार को नई झूंसी स्थित श्री शिवगंगा आश्रम में 10 दिवसीय प्रवास के दौरान शिष्यों और श्रद्धालुओं से संबोधित करते हुए शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी जिन्होंने हिंदू पहचान बनाए रखी, उन पूर्वजों के प्रति आस्था कायम रखनी चाहिए।

जनसंख्या नियंत्रित रहे, सभी दुर्व्यसन से मुक्त हों और प्रत्येक व्यक्ति की जीविका जन्म से सुरक्षित हो, यह सनातन धर्म के सिद्धांतों से ही संभव है। इस दौरान शंकराचार्य के निजी सचिव स्वामी निर्विकल्पानंद सरस्वती, प्रफुल्ल ब्रह्मचारी, हृषिकेश ब्रह्मचारी, आदेश भूषण पांडेय, डॉ. दिव्याकृत त्रिपाठी, संतोष त्रिपाठी, बीपी सिंह, डॉ. एलएस ओझा, मनोज त्रिपाठी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं राधाकांत, भाई थे यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री

प्रयागराज। राज्यसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राधाकांत ओझा को प्रत्याशी बनाकर सियासी और विधिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। दो बार हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके ओझा का वकालत से राज्यसभा तक का सफर अब नई राजनीतिक भूमिका की ओर बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा दांव खेलते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा को अपना उम्मीदवार बनाया है। प्रतापगढ़ रानीगंज के मूल निवासी राधाकांत ओझा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं। तीसरी बार अध्यक्ष बनने के लिए उन्होंने इस बार भी मैदान में थे लेकिन उन्हें तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। प्रयागराज मे ओझा का बेली अस्पताल के पास स्टेनली रोड पर आवास है। राज्यसभा प्रत्याशी के नाम की घोषणा होने के बाद उनको बधाई देने वालों का तांता लग गया। बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचने लगे।

सोमवार को घोषित भाजपा की आठ उम्मीदवारों की सूची में राधाकांत ओझा का नाम शामिल होने के बाद न्यायिक व राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। 16 अक्तूबर को होने वाले मतदान

से पहले नामांकन प्रक्रिया छह अक्तूबर को संपन्न हो रही है। लंबे समय तक बार की राजनीति और वकालत में सक्रिय रहे ओझा का प्रत्याशी बनना क्षेत्र के विधिक समुदाय



के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

38 वर्षों का कानूनी अनुभव रखने वाले राधाकांत ओझा ने वर्ष 1988 में इलाहाबाद हाईकोर्ट से वकालत की शुरुआत की थी। वे राज्य के प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ताओं में गिने जाते हैं। दो बार हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे। वे पहली बार 2015 में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद दिसंबर 2021 में अधिवक्ताओं के भारी समर्थन के साथ वे पुनः अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। ओझा उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय केशरीनाथ त्रिपाठी के बेहद खास माने जाते थे। छात्र जीवन (1977) से शुरु हुआ यह जुड़ाव

में कैबिनेट मंत्री रहे।

भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा को राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। सोमवार को उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद ओझा सबसे पहले संघ कार्यालय पहुंचे। इसके बाद सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता और महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता समेत कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत कर बधाई दी।

मीडिया से बातचीत में राधाकांत ओझा ने कहा कि वह भाजपा संगठन के बूथ स्तर के कार्यकर्ता रहे हैं और पार्टी ने

रिसर्च: पानी में रोशनी पड़ते ही खत्म हो जाएगा बैक्टीरिया, जिकं ऑक्साइड क्वांटम डॉट्स का कमाल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर समेत वैज्ञानिकों ने 2–6 नैनोमीटर के जिक ऑक्साइड क्वांटम डॉट्स तैयार किए हैं।

दावा है कि सामान्य रोशनी में ये करीब 400 नैनोमीटर

तरंगदैर्घ्य का प्रकाश उत्सर्जित कर सकते हैं, जिससे बैक्टीरिया नियंत्रण की नई तकनीक विकसित होने की उम्मीद है। वैज्ञानिकों ने नई पद्धति से अत्यंत सूक्ष्म जिक ऑक्साइड क्वांटम डॉट्स तैयार किए हैं जो सामान्य रोशनी को पराबैगनी किरणों में परिवर्तित कर देते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह पानी व अन्य पदार्थों में मौजूद बैक्टीरिया को कुछ ही सेकंड में नष्ट करने की क्षमता रखता है।

दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. टीपी यादव, दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डॉ. गोविंद दयाल सिंह (इविवि के पूर्व छात्र) व शोधार्थी निकिता के इस शोध को नीदरलैंड के प्रतिष्ठित जर्नल 'सिरैमिक्स

कणों के मुकाबले काफी अधिक होती है। नई पद्धति से तैयार

क्वांटम डॉट्स को सामान्य रोशनी में डालने से पराबैगनी किरणें निकलती हैं, जिनके

उपयोग से बैक्टीरिया को खत्म किया जा सकता है। आने वाले समय में यह खोज चिकित्सा जगत के लिए भी क्रांतिकारी साबित हो सकती है। प्रकाश उत्सर्जक उपकरणों के लिए लाभकारी

जिक ऑक्साइड के अत्यंत सूक्ष्म क्वांटम डॉट्स का आकार मात्र 2 से 6 नैनोमीटर है। इनकी प्रमुख विशेषता लगभग

400 नैनोमीटर तरंगदैर्घ्य पर तीव्र बैगनी प्रकाश उत्सर्जित करना है। यह शोध भविष्य में

प्रकाश उत्सर्जक उपकरणों, रासायनिक संवेदकों और जैविक इमेजिंग जैसी तकनीकों के विकास में उपयोगी हो सकता



निकिता, डॉ. गोविंद दयाल सिंह और प्रोफेसर टीपी यादव

है।

इस तरह तैयार हुए क्वांटम डॉट्स

शोधकर्ताओं ने जिक ऑक्साइड के क्वांटम डॉट्स तैयार करने के लिए दो तकनीकों हाई एनर्जी बॉल मिलिंग

व अल्ट्रासोनिकेशन–लिविड फेज एक्सफोलिएशन का संयोजन किया। इस विधि में पहले यांत्रिक प्रक्रिया से पदार्थ के कणों का आकार कम किया गया। फिर अल्ट्रासोनिक तरंगों की सहायता से उन्हें और सूक्ष्म बनाया गया। इस प्रक्रिया से

जो भी जिम्मेदारी दी, उसका ईमानदारी से निर्वहन किया। राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा में सामान्य कार्यकर्ता भी संगठन

के उच्च पद तक पहुंच सकता है। पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती से उत्तरेगी और विजय हासिल करेगी। ओझा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटते। वह अधिवक्ताओं के हितों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हमेशा खड़े रहेंगे। इस दौरान डॉ. शैलेश पांडेय, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, आनंद सोनकर, प्रमोद मोदी, दीप द्विवेदी, राजेश गोंड, विवेक मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, शुभम सिंह, दिलीप चौरसिया और अजय सिंह समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

नशे से दूर रहने का आह्वान
प्रयागराज। सरकारमऊ मेला ग्राउंड में रविवार को 'मिशन चलो गांव की ओर' के तत्वावधान में महिला जागृति एकता महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें कांशीराम के 20वें परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अध्यक्षता 'मिशन चलो गांव की ओर' के संस्थापक एवं मुख्य प्रवक्ता केडी गौतम ने की। उन्होंने नशा मुक्ति को समाज सुधार का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। साथ ही अंधविश्वास और जातिवाद के खिलाफ जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया। महासम्मेलन में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन दर्शन और उनके बताए समानता, स्वतंत्रता व बंधुता के सिद्धांतों पर चर्चा की गई। लोगों से लोकतंत्र में अपने मताधिकार का महत्व समझने और मतदान के माध्यम से अपने अधिकारों की आवाज मजबूत करने का आह्वान किया गया। संचालन संजय बौद्ध ने किया। कार्यक्रम में ओपी रांव, श्यामल किशोर, कंचन बौद्ध, देवानंद, अजय गौतम, नील बौद्ध, सुनीता, उषा बौद्ध, प्रियंका बौद्ध, देवानंद बौद्ध मौजूद रहे।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के हरीडीह गांव में रविवार दोपहर दो बजे विवाहिता का शव कमरे के अंदर पंखे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए। विवाहिता के चाचा के आने पर शव को पुलिस ने फंदे से नीचे उतारा।

हरीडीह गांव निवासी राजमणि सरोज उर्फ पिंटू की पत्नी अंजली देवी (24) घर अकेली थी। पति राजमणि सरोज, सास सोना देवी, ससुर मिट्ठू लाल समेत ससुराल के लोग लूसनपुर स्थित निरंकारी भवन में सत्संग के लिए गए थे। दोपहर दो बजे घर लौटे तो अंजली का शव फंदे से लटका था। राजमणि ने पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक दीनदयाल सिंह घटना स्थल पर पहुंचे। अंजली के मौत की सूचना पर टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी निवासी चाचा शेर सिंह बेटी के घर पहुंचे। बहन राखी ने बताया कि अंजली को एक साल पहले संतान प्राप्ति हुई थी लेकिन उसकी मौत हो गई थी। उसने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि बहन से दहेज में एसी व एक लाख रुपये की मांग की जा रही थी। उसके न मिलने पर बहन की हत्या कर शव फंदे से लटका दिया गया। यह आरोप लगाते हुए सोरांव पुलिस को तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सूचना पर फॉरेंसिक टीम ने कमरे से साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बहन ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ई–रिक्शों पर नाम–पता लिखना अनिवार्य

प्रयागराज। प्रयागराज में ई–रिक्शों के लिए लागू नए नियम मऊआइमा में भी लागू कर दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर रविवार को पुलिस ने चालकों को नियमों की जानकारी दी और तीन दिन में पालन करने को कहा। निर्देश के अनुसार, हर ई–रिक्शा पर वाहन नंबर, मालिक व चालक का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा। तीन दिन बाद चेकिंग अभियान चलेगा, उल्लंघन पर कार्रवाई होगी। क्षेत्र में 1000 से अधिक ई–रिक्शा संचालित हैं। इस वजह से चुनौता कुआं, सदर बाजार, थाना पड़ाव पर जाम की समस्या रहती है। प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा ने बताया कि नियमों से सामान छूटने या हादसे पर चालक को ट्रैस करने में मदद मिलेगी।

दुर्गा प्रतिमाओं को आकार देने में जुटे मूर्तिकार

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र में पंडालों में स्थापित होने वाली मां दुर्गा की प्रतिमाओं को आकार देने में मूर्तिकार जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल के मूर्तिकार मंगल पाल अपनी टीम के साथ मेजा के सोरांव गांव में आए हुए हैं। वह चार माह में मां दुर्गा की 220 प्रतिमाओं को तैयार कर अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। 11 अक्तूबर से शारदीय नवरात्र शुरु हो रहा है। पंडालों में मां दुर्गा उसी दिन विराजेगी। 10 दिन तक चलने वाले नवरात्र में विधि विधान से पूजन–अर्चन किया जाता है। मूर्तिकार मंगल पाल ने बताया कि एक दशक से वह हर वर्ष मेजा के सोरांव गांव में आकर मूर्तियों को आकार देते हैं। ज्यादातर श्रद्धालुओं ने पहले से ही आर्डर दे रखे थे। उन्होंने बताया कि उनकी टीम में संजय पाल, कल्लू पाल, मिलन पाल शामिल हैं। मंगल पाल ने बताया कि उनके यहां डेढ़ लाख रुपये तक की मां दुर्गा की प्रतिमाएं हैं। इन्हें पहले से ऑर्डर देकर तैयार कराया जाता है। चार श्रद्धालुओं ने इसका ऑर्डर दिया था।

गांव में गंदगी, कूड़ाघर चकाचक

बहरिया के गमरहटा गांव का कूड़ाघर चकाचक है। यहां गंदगी नहीं फेंकी जाती है। जबकि गांव में गंदगी का ढेर लगा है। नालियां जाम हैं। बदबू से लोगों का जीना दूभर है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। सफाई कर्मियों की तैनाती के बावजूद नियमित सफाई और कूड़ा उठान नहीं होने से ग्रामीण परेशान हैं। गांव में दो सफाई कर्मी तैनात हैं। बावजूद इसके व्यवस्था बेमंटेरी है। अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिए दो साल पहले करीब दो लाख रुपये से कूड़ाघर बनाया गया था लेकिन यहां कचरा नहीं फेंका जाता है। इसकी दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। कूड़ा गाड़ी का भी नियमित संचालन नहीं होता है। रामचंद्र और सौरभ कुमार यादव ने बताया कि संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद साफ–सफाई नहीं होती है। समय से कूड़ा न उठने से गांव में गंदगी बढ़ रही है और बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। आगामी दिनों में दुर्गा पूजा व रामलीला के आयोजन होने हैं। इसके पहले सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए।

नाली सफाई के लिए टीमें बनाई गई हैं। अक्तूबर तक नालियों की सफाई के साथ झाड़ियों की छंटायी होगी। बारिश के कारण कई जगह नालियों में पानी जमा है। सफाई अभियान चलाकर नालियों को साफ किया जाएगा। – अनिल कुमार, एडीओ पंचायत, बहरिया

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, बेटी ने पिता पर लगाया हत्या का आरोप

हंडिया के बरौत निवासी अजमतुन (42) पत्नी मोहम्मद मुस्तफा की रविवार दोपहर दो बजे मौत हो गई। मृतका की बेटी शहनाज बानो पत्नी जैनुल ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी मां को पिता व परिवार के अन्य लोग परेशान करते थे। उसका कहना है कि मां को उसने करीब आठ महीने तक ससुराल बीजापुर थाना विंध्याचल, मिर्जापुर में रखा था। शहनाज बानो के मुताबिक, चार दिन पहले उसके पिता मोहम्मद मुस्तफा घर पहुंचे और उसकी मां को लेकर गांव चले गए। बेटी ने पिता पर मां की हत्या का आरोप लगाया है। मामले की जांच की मांग की है। वहीं, पिता मोहम्मद मुस्तफा, ससुर सलाउद्दीन उर्फ बनारसी और सास आसमा बेगम ने हत्या के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि अजमतुन की तबीयत काफी दिनों से खराब चल रही थी और उसका इलाज भी चल रहा था। रविवार को बीमारी के चलते उसकी मौत हो गई। सूचना पर थाना प्रभारी हंडिया ओमप्रकाश पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चलेगा।

चिल्ड्रन आर्ट मेला 2 का शानदार आयोजन, सृजनात्मक कला प्रतिभा का हुआ प्रदर्शन कला प्रतियोगिताओं के निर्णायक प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा रहे

प्रयागराज। आज मरहबा प्लेसेस करेली प्रयागराज में चिल्ड्रन आर्ट मेला– 2 का शानदार आयोजन हुआ। जिसका भव्य संयोजन अमरीन बुशरा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी कला रचनात्मकता और प्रतिभा का अदभुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मेहंदी ,कैलीग्राफी , फैंसी ड्रेस, बॉलीवुड कैरेक्टर थीम, पेंटिंग एवं पोस्टर जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की



गई। प्रतियोगिता में बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास देखते ही बनता था। हर प्रतिभागी ने अपनी सृजनात्मक शक्ति से कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष एवं उत्साहवर्धक मूल्यांकन (जजिंग) भारत के प्रसिद्ध कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग द्वारा किया गया उन्होंने बच्चों को पुरस्कृत भी किया और कहा कि हर बच्चे में एक कलाकार छिपा है बस उसे अपनी उड़ान भरने के लिए एक मंच चाहिए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के लिए एक शानदार मैजिक शो ने पूरे माहौल को और भी यादगार बना दिया। अमरीन बुशरा को इतने खूबसूरत और रचनात्मक आयोजन के लिए अतिथियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी और अमरीन बुशरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

धनंजय शुक्ला को प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट बनाए जाने पर बाधाई

प्रतापगढ़,स बाबागंज विधानसभा राजापुर बिंधन के निवासी पार्टी धनंजय शुक्ला को प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने दी बधाई, नई जिम्मेदारी में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा उनकी समर्पित कार्यशैली और संगठनात्मक अनुभव से पार्टी की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश की नई प्रदेश मीडिया टीम की घोषणा की गई है। जारी सूची में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट की नई जिम्मेदारी दी गई।

कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट के रूप में नई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए धनंजय शुक्ला पार्टी और प्जनता के बीच मीडिया संवाद को और प्रभावी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन के मीडिया कार्यों में उनका अनुभव और सक्रियता महत्वपूर्ण योगदान देगा। नई जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनको बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि धनंजय शुक्ला संगठन के प्रति निष्ठा, अनुभव और प्रभावी संवाद क्षमता के लिए जाने जाते हैं। कार्यकर्ताओं ने धनंजय शुक्ला के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए पुनः हार्दिक बधाई दी।

18 साल की सेवा के बाद भी नियमावली का इंतजार

1,01,688 सफाई कर्मियों की नजर मुख्यमंत्री पर लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश के 1,01,688 ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों की 18 साल से लंबित मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि 05 अक्टूबर 2026को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के साथ वार्ता हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना द्वारा बताया गया कि माननीय मुख्यमंत्री से वार्ता की गई है आपकी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री ने समस्याओं को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 में 1,08,848 सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति हुई थी, वर्तमान में 1,01,688 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनकी 18 वर्ष की सेवा होने जा रही है, फिर भी आज तक सेवा नियमावली नहीं बनी है।उन्होंने आगे बताया कि 29 मई 2026 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में लोक भवन में हुई बैठक के प्रस्तर–5 में दो अहम निर्णय लिए गए थे। इनमें सफाई कर्मचारियों की सेवा नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक विकास खण्ड में 2 स्वच्छता निरीक्षक के पद सृजित किए जाएं। इस आधार पर प्रदेश के 826 विकास खण्डों के हिसाब से 1652 पदों का सृजन होना है। इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा, बल्कि सफाई व्यवस्था मजबूत होगी और कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर मिलेगा। संघ ने मांग की है कि 29 मई के निर्णयों को प्राथमिकता पर लागू कर सेवा नियमावली और 1652 पदों के सृजन की कार्यवाही प्रमुख सचिव पंचायती राज एवं निदेशक पंचायती राज के स्तर से तत्काल पूरी कराई जाए।राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग में चमन राना प्रदेश प्रभारी, अशोक बाबू गौतम प्रदेश वरिष्ठ उपाध्याय श्री हरकिशन संयुक्त मंत्री उपस्थित रहे।

कुर्सी रोड चौड़ीकरण में संशोधन की मांग को लेकर बैठक

मौके पर पहुंचे प्राधिकरण के अधिकारी, सात अक्टूबर को उपाध्यक्ष के साथ होगी वार्ता

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ महायोजना 2031 कुर्सी रोड के चौड़ीकरण में विसंगतियों में संशोधन की मांग को लेकर आज यहां आर्यवर्त आर्य त्रिवंडी महासभा के मुख्यालय, एमडीएस टॉवर, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के सामने कुर्सी रोड में बैठक बुलाई गयी है। इस बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अ्ध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पाण्डेय, भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश यादव, होटल व्यवसाय से जुड़ी छ व्यवसायी आरधना सहित व्यापारी, विभिन्न स्कूल, प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि सहित चौड़ीकरण के जद में आने वाले भवन स्वामी व किसान उपस्थित थे।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि विषयक संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 142वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा अकादमिक— ए , जी—10 मे ‘ आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की दृष्टि से विद्यार्थियों को परिचित एवं शुक्ल जी के इतिहास दृ टि के महत्व को बताना रहा। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक माननीय कुलपति जी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह रहे तथा कार्यक्रम के समन्वयक हिंदी विभाग के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. आशुतोष कुमार सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ मुक्ता जी अध्यक्ष, रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान,आभासी पटल से विद्यार्थियों से जुड़ी रही एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अलका प्रकाश जी हमारे बीच उपस्थित रहीं। डॉ अलका मिश्रा ने कहा कहा कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के इतिहास, समालोचना और निबंध–परंपरा के वह देदीप्यमान नक्षत्र हैं, जिनके बिना हिंदी भाषा की वैचारिक नींव अधूरी मानी जाती है। उनकी जयंती के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में डॉ. अलका प्रकाश जी ने शुक्ल जी के साहित्यिक योगदान, उनकी कालजयी इतिहास–दृष्टि और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर अत्यंत गहन व विश्लेषणात्मक विचार व्यक्त किए।

लोक–चेतना और समाज से जुड़ा साहित्य–इतिहास व्याख्यान की शुरुआत करते हुए अलका जी आदरणीय वैश्विक ने स्पष्ट किया कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के पहले ऐसे साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होता चला जाता है। आदि से अन्त तक इन्हीं चित्तवृत्तियों की परंपरा को परखते हुए साहित्य परंपरा के साथ उनका सामंजस्य दिखाना ही ‘साहित्य का इतिहास’ कहलाता है।यह कथन इस बात का प्रमाण है कि शुक्ल जी ने साहित्य को समाज की धड़कन और मानवीय मूल्यों के धरातल पर स्थापित किया। डॉ अलका जी ने शुक्ल जी द्वारा किए गए काल–विभाजन (वीरगाथा काल, भक्ति काल, शैति काल और आधुनिक काल) और उनके नामकरण की तार्किकता की भूरि–भूरि सराहना

की। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी के इतिहास का ढाँचा इतना सुदृढ़, प्रामाणिक और वैज्ञानिक है कि वह आज भी अकाट्य माना जाता है। हिंदी साहित्य के इतिहास की बुनियादी नींव को समझने के लिए आज भी हर विद्यार्थी को आचार्य शुक्ल के पुस्तकों की शरण में जाना पड़ता है। उनके बिना साहित्य का अध्ययन अधूरा है। व्याख्यान में शुक्ल जी के प्रसिद्ध निबंध संग्रह श्रंतितामणि



साहित्य वहाँ की जनता की चित्तवृत्ति का संधित प्रतिबिम्ब होता है, तब यह निश्चित है कि जनता की चित्तवृत्ति के परिवर्तन के साथ–साथ साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होता चला जाता है। आदि से अन्त तक इन्हीं चित्तवृत्तियों की परंपरा को परखते हुए साहित्य परंपरा के साथ उनका सामंजस्य दिखाना ही ‘साहित्य का इतिहास’ कहलाता है।

यह कथन इस बात का प्रमाण है कि शुक्ल जी ने साहित्य को समाज की धड़कन और मानवीय मूल्यों के धरातल पर स्थापित किया। डॉ अलका जी ने शुक्ल जी द्वारा किए गए काल–विभाजन (वीरगाथा काल, भक्ति काल, शैति काल और आधुनिक काल) और उनके नामकरण की तार्किकता की भूरि–भूरि सराहना

की। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी के इतिहास का ढाँचा इतना सुदृढ़, प्रामाणिक और वैज्ञानिक है कि वह आज भी अकाट्य माना जाता है। हिंदी साहित्य के इतिहास की बुनियादी नींव को समझने के लिए आज भी हर विद्यार्थी को आचार्य शुक्ल के पुस्तकों की शरण में जाना पड़ता है। उनके बिना साहित्य का अध्ययन अधूरा है। व्याख्यान में शुक्ल जी के प्रसिद्ध निबंध संग्रह श्रंतितामणि

सी. एम. पी. महाविद्यालय प्रयागराज के भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पक्ष–विपक्ष में अपने प्रभावशाली विचार व्यक्त किए।



वाद विवाद प्रतियोगिता के

परिणाम इस प्रकार रहेस

प्रथम स्थान पर बी. ए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा प्रज्ञान पारमिता , द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से बीए प्रथम सेमेस्टर के अंकित यादव और उत्कर्षिणी

की। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी के इतिहास का ढाँचा इतना सुदृढ़, प्रामाणिक और वैज्ञानिक है कि वह आज भी अकाट्य माना जाता है।

हिंदी साहित्य के इतिहास की बुनियादी नींव को समझने के लिए आज भी हर विद्यार्थी को आचार्य शुक्ल के पुस्तकों की शरण में जाना पड़ता है। उनके बिना साहित्य का अध्ययन अधूरा है। व्याख्यान में शुक्ल जी के प्रसिद्ध निबंध संग्रह श्रंतितामणि

की। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी के इतिहास का ढाँचा इतना सुदृढ़, प्रामाणिक और वैज्ञानिक है कि वह आज भी अकाट्य माना जाता है।

हिंदी साहित्य के इतिहास की बुनियादी नींव को समझने के लिए आज भी हर विद्यार्थी को आचार्य शुक्ल के पुस्तकों की शरण में जाना पड़ता है। उनके बिना साहित्य का अध्ययन अधूरा है। व्याख्यान में शुक्ल जी के प्रसिद्ध निबंध संग्रह श्रंतितामणि

और उनके सुप्रसिद्ध निबंधों श्कविता क्या है? तथा भाव या मनोविकार (भय, क्रोध, उत्साह, श्रद्धा–भक्ति)का विशेष उल्लेख किया गया। उन्होंने बताया कि आचार्य शुक्ल की आलोचना केवल कमियाँ निकालने या प्रशंसा करने तक सीमित नहीं थी। उनकी आलोचना–दृष्टि लोक–मंगल (जन–कल्याण) और मानवीय संवेदनाओं से ओत–प्रोत है। वे साहित्य में भावों की शुद्धता और समाज के प्रति उसके उत्तरदायित्व को सर्वोपरि मानते थे।

अंत में अलका मिश्रा ने इस बात पर बल दिया कि बदलती हुई सामाजिक– सांस्कृतिक परिस्थितियों के बावजूद आचार्य रामचंद्र शुक्ल के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। आज

जब साहित्य और समाज में मूल्यों का हास हो रहा है, तब शुक्ल जी की लोक–केन्द्रित और मूल्यपरक दृष्टि हमें सही दिशा दिखाती है। डॉ मुक्ता जी ने मनोहर कला कविता का नाम लेकर शुक्ल जी की बाल्यावस्था से ही लेखन में रुचि एवं उनके इतिहास लेखन दृष्टि जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की। उन्होंने शुक्ल जी को शहिंदी निर्माताश शब्द से संबोधित करते हुए उनके जीवन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से विद्यार्थियों को रूबरू कराया। शुक्ल जी का बद्रीनारायण चौधरी श्रेमघनश तथा श्यामसुंदर दास के साथ उनके निकटतम संबंधों का भी जिक्र किया। प्रेमघन जी के लिए श्रेमचंद की छाया स्मृतिश नामक लेख को शुक्ल जी ने हंस से प्रकाशित किया था। श्यामसुंदर दास की निकटता के साथ ही नागरी प्रचारिणी सभा से जुड़ना एवं इतिहास लेखन की दिशा में अग्रसर होने की यात्रा का जिक्र किया। डॉ मुक्ता जी ने श्विश्व प्रपंचश की भूमिका का जिक्र कर शुक्ल जी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिचित कराया तथा उनके विभिन्न उद्धरणों को प्रस्तुत कर स्पष्ट किया कि शुक्ल जी सामान्य जनता के महत्व को प्रतिपादित करते हैं।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ अजीत सिंह ने किया। कार्यक्रम का आभार ज्ञापन डॉ बबलू यादव ने किया। इस कार्यक्रम में प्रियंका त्रिपाठी, किसल्य सिंह, कोमल यादव , सुमनलता एवं भारी संख्या विद्यार्थी में जुड़े रहे।

अच्छी–अच्छी बात

शोर मचाते फालसे, मौसम कर निनाद। खिन्नी गायब हो गई, करूँ कहाँ फरियाद। करूँ कहाँ फरियाद, बता दे आकर कोई। बढ़ता लालच लोभ, देख हरियाली सोई। सुन लो कहें प्रदीप, वृक्ष चुपचाप बताते। कातिल का ले नाम, जहाँ में शोर मचाते।

प्रकृति सिखाती है सदा अच्छी–अच्छी बात। दूजे की करना मदद, बनकर सदा प्रभात। बनकर सदा प्रभात, मुश्किलों से टकराकर। करना सबका काम, राह सच्ची दिखलाकर। सुन लो कहीं प्रदीप, नदी भी यही बताती। मौसम के अनुसार, हमेशा प्रकृति सिखाती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

गोलाघाट माहेश्वरी महिला संगठन ने किया गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य आयोजन

गोलाघाट। गोलाघाट माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ‘स्वर्णिम शक्ति वंदन समिति’ के अंतर्गत महेश्वरी भवन, गोलाघाट में दो दिवसीय गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। नवरात्रि के पावन पर्व को ध्यान में रखते



हुए आयोजित इस कार्यशाला में संगठन की प्रतिभाशाली सदस्या ‘श्रीमती सारिका चांडक’ ने प्रशिक्षिका के रूप में गरबा के आकर्षक एवं मुख्य स्टेप्स का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे जोश के साथ गरबा सीखा। सभी बहनों में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिला। कार्यक्रम में प्रशिक्षिका सारिका चांडक का पारंपरिक ‘फूलम गमछा’ द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष ‘श्रीमती राधा जी बिनानी’, निवर्तमान अध्यक्ष ‘श्रीमती विमला काबरा’ तथा शक्ति वंदन समिति की सह–संयोजिका ‘श्रीमती रंजना बिनानी फ्काव्याध ने प्रशिक्षिका का अभिनंदन किया और सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों ने इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहने का आग्रह किया।

यूपीएसएसएससी जेई अभ्यर्थियों का पिकप भवन पर धरना

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में यूपीएसएसएससी की अवर अभियंता (जेई) भर्ती के अभ्यर्थियों ने सोमवार को पिकप भवन पर धरना दे रहे हैं। सैकड़ों अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने और अभिलेख सत्यापन (डीवी) की तारीख घोषित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक क्ट की तारीख तय नहीं होती, वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे। अभ्यर्थियों के मुताबिक, यूपीएसएसएससी ने विज्ञापन संख्या 08६ 2024 के तहत जेई भर्ती का विज्ञापन 7 मार्च 2024 को जारी किया था। भर्ती प्रक्रिया शुरू हुए करीब तीन साल होने को हैं, लेकिन अभी तक क्ट को लेकर कोई तारीख या कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती में देरी से उनका भविष्य अधर में है। अभ्यर्थियों ने बताया कि वे भर्ती पूरी कराने की मांग मुख्यमंत्री जनदर्शन तक पहुंचा चुके हैं। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों और शासन स्तर पर भी अपनी बात रखी, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। अभ्यर्थियों ने कहा कि वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे हैं। पिकप भवन के बाहर बैठकर नारेबाजी कर रहे अभ्यर्थी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (डीवी) का रिजल्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक क्ट का रिजल्ट जारी नहीं होता और भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। अभ्यर्थियों ने कहा कि मांग पूरी नहीं होने पर वे इसी तरह धरना देते रहेंगे।

आईटीआई के पंचम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू, रिक्त सीटों के लिए 6 से 11 अक्टूबर तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ,संवाददाता। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद एससीवीटी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण सत्र 2026–27 के पंचम चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। चतुर्थ चरण की प्रवेश प्रक्रिया 3 अक्टूबर को संपन्न होने के उपरांत रिक्त बची सीटों के सापेक्ष राजकीय आईटीआई के पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों से नवीन विकल्प तथा राजकीय व निजी संस्थानों हेतु नवीन अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में अचयनित अथवा चयनित होने के बाद भी प्रवेश से वंचित अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपनी पंजीकरण संख्या एवं जन्मतिथि दर्ज कर रिक्त व्यवसायों व इच्छित संस्थानों का पुनरीक्षित विकल्प भर सकते हैं। लिंग, उपवर्ग एवं शैक्षिक अर्हता को भी पुनः पंजीकृत किया जा सकता है।

ऑटो व बाइक की टक्कर, ऑटो चालक की मौत

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के सरोजननीनगर में सोमवार सुबह एक इलेक्ट्रिक ऑटो और बाइक की टक्कर हो गई। ऑटो गलत दिशा से आ रहा था। इस हादसे में ऑटो चालक अमृतलाल (35) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, उन्नाव के सहरागंवा गांव निवासी अमृतलाल सुबह करीब 9.15 बजे नादरगंज से ऑटो लेकर 32 बटालियन पीएसी तिराहे के पास से कानपुर रोड पर आरटीओ ऑफिस की तरफ गलत दिशा में जा रहे थे।

सम्पादकीय.....

निवेश कहां करें, सही फैसला कैसे लें?

आज कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कमाई को सही जगह लगाना। लेकिन समस्या यह है कि निवेश के विकल्प बहुत हैं। निवेश शुरू करने से पहले 3 चीजें जरूरी हैं—आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और कर्ज का नियंत्रण। कम से कम कुछ महीनों के आवश्यक घरेलू खर्च के बराबर राशि ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो सके। इसके बाद स्वास्थ्य और जीवन बीमा जैसी सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। अगर व्यक्ति के ऊपर बहुत महंगा कर्ज है, तो कई बार निवेश से पहले उस कर्ज को कम करना ज्यादा समझदारी होती है। निवेश की शुरुआत बची हुई रकम से नहीं, बल्कि नियमित बचत की आदत से होनी चाहिए। शेयर बाजार में लंबे समय में संपत्ति बनाने का अवसर दिया है लेकिन इसमें उतार—चढ़ाव भी होता है। किसी कंपनी का शेयर खरीदने का मतलब उस कंपनी में हिस्सेदारी लेना है। इसलिए केवल किसी दोस्त की सलाह, सोशल मीडिया पोस्ट या टी.वी. की खबर देखकर शेयर खरीदना उचित नहीं। नए निवेशकों के लिए सीधे शेयर चुनने की बजाय म्यूचुअल फंड के माध्यम से विविधीकरण करना एक विकल्प हो सकता है। नियमित निवेश के लिए एस.आई.पी. का इस्तेमाल भी किया जाता है। लेकिन यहां भी यह समझना जरूरी है कि म्यूचुअल फंड में बाजार जोखिम समाप्त नहीं होता। शेयर बाजार में सबसे बड़ी गलती अक्सर गलत शेयर चुनना नहीं, बल्कि बिना योजना के खरीदना और डरकर गलत समय पर बेच देना होती है। भारत में प्रॉपर्टी को निवेश का सबसे भरोसेमंद माध्यम मानने की परंपरा रही है। जमीन या मकान का अपना उपयोग भी है और किराए से आय की संभावना भी। लेकिन प्रॉपर्टी में एक बड़ी समस्या है—इसमें बड़ी पूंजी फंसती है। इसे तुरंत बेचकर पैसा निकालना हमेशा आसान नहीं होता। इसके अलावा स्टॉप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, टैक्स, ब्याज और अन्य खर्च भी वास्तविक लागत का हिस्सा हैं। इसलिए केवल यह देखकर प्रॉपर्टी न खरीदे कि ‘इलाका आगे बहुत बढ़ने वाला है।’ खरीदने से पहले कानूनी दस्तावेज, टाइटल, अप्रूवल, लोकेशन, किराए की संभावित आय और कुल लागत की जांच जरूरी है। भारतीय परिवारों में सोने का महत्व सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और भावनात्मक संपत्ति भी है। निवेश के नजरिए से सोने का एक फायदा यह है कि यह पोर्टफोलियो में विवि्ीकरण ला सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूरी बचत सोने में लगा दी जाए। गहने खरीदते समय मेकिंग चार्ज, शुद्धता और पुनर्विक्रय मूल्य जैसी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। गोल्ड ई.टी.एफ. या अन्य विनियमित विकल्प भी देखे जा सकते हैं। सोना आम तौर पर नियमित आय देने वाला साधन नहीं है, इसलिए इसे पोर्टफोलियो का एक हिस्सा समझना अधिक उचित है, पूरी रणनीति नहीं। पिछले कुछ वर्षों में चांदी भी निवेशकों की चर्चा में आई है। चांदी में औद्योगिक उपयोग भी काफी है, इसलिए इसकी कीमत पर केवल निवेश मांग ही नहीं, बल्कि औद्योगिक मांग और वैश्विक परिस्थितियों का भी प्रभाव पड़ता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में बहुत तेज उतार—चढ़ाव हो सकता है। एक छोटी अवधि में बड़ी तेजी और बड़ी गिरावट दोनों संभव हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात—जिस पैसे की जरूरत घर चलाने, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या किसी जरूरी लक्ष्य के लिए पड़ सकती है, उसे अत्यधिक जोखिम वाले निवेश में नहीं लगाना चाहिए। क्रिप्टो को निवेश पोर्टफोलियो का मुख्य आधार बनाने की बजाय, यदि कोई व्यक्ति जोखिम समझते हुए इसमें पैसा लगाता है तो उसे इसे उच्च जोखिम वाली परिसंपत्ति के रूप में देखना चाहिए। बैंक एफ.डी., पी.पी.एफ. और कुछ प्रकार के बॉन्ड ऐसे साधन हैं, जिन्हें निवेशक अपने लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार देख सकता है। इनमें रिटर्न शेयर बाजार जैसा नहीं हो सकता लेकिन पोर्टफोलियो में स्थिरता का उद्देश्य अलग होता है। असली खेल है एसेट एलोकेशन। मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 50 लाख रुपए हैं। उसका पूरा पैसा केवल शेयरों में, केवल प्रॉपर्टी में या केवल सोने में लगा देना जोखिम बढ़ा सकता है। इसीलिए एसेट एलोकेशन महत्वपूर्ण है—यानी अलग—अलग परिसंपत्तियों में पैसा किस अनुपात में रखा जाए। किसी व्यक्ति की उम्र, आय, नौकरी या व्यवसाय की स्थिरता, पारिवारिक जिम्मेदारियां, कर्ज, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और जोखिम सहने की क्षमता को देखकर यह अनुपात अलग हो सकता है। अच्छा निवेश वह नहीं है, जिसमें हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न मिले, जो आपके लक्ष्य तक पहुंचने की संभावना बढ़ाए, आपकी नौंद न उड़ाए और आपके परिवार की आ्थक सुरक्षा को खतरे में न डाले।

विमर्श

भाषणों तक सीमित नहीं रहीं नशा मुक्त पंजाब यात्राएं

भाजपा की 13 दिन की नशा मुक्त पंजाब यात्रा कई मायनों में अहम रही। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक रणनीति थी। 13 दिन में चारों क्षेत्रों मालवा, दोआबा, माझा और पुआध को साधा। 4000 किलोमीटर का सफर किया। कुल 474 प्रोग्राम किए जिनमें जन सभाएं, रोड शो, स्वागत कार्यक्रम, नुक्कड़ सभाएं, आदि प्रमुख हैं। मंचों पर नाटक का आयोजन भी हुआ। और हर रैली, रोड शो, नाटक और भाषण में भाजपा ने जनता के बीच संदेश पहुंचाया कि यह यात्रा राजनीतिक फायदे के लिए नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ है। इस यात्रा से भाजपा ने अपने विरोधियों, राजनीतिक विशेषज्ञों और मीडिया संस्थानों को भी हैरत में डाल दिया है। पंजाब की राजनीति में लंबे समय से धारणा थी कि भारतीय जनता पार्टी शहरी पार्टी है। शहरों में तो इसकी पकड़ है लेकिन गांवों में, खेतों में, मंडियों में इसकी पहुंच नहीं। यात्रा ने इस मिथक को पूरी तरह तोड़ दिया है जोकि भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। साथ ही, जन संपर्क और नशा पीड़ित परिवारों से मिलना भी पार्टी की बड़ी उपलब्धि रही। इससे भाजपा

अपने नशा विरोधी एजेंडे को जनता के सामने मजबूती के साथ रखने में कामयाब रही। इससे पहले पंजाब में किसी भी राष्ट्रीय पार्टी ने इतने कम समय में इतने बड़े स्तर पर नशे के मुद्दे पर ऐसे आवाज नहीं उठाई। यह सिर्फ भाषणों की यात्रा नहीं थी। न सिर्फ कार्यकर्ता, बल्कि पार्टी के बड़े नेता गांव—गांव गए। नशा पीड़ित परिवारों से मिले और उनकी पीड़ा सुनी। दुकानदारों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और नशों के कारण बेटे को चुकी मांओं से मिले। यही कारण है कि इसे यात्रा नहीं, जन—आंदोलन कहा जा रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक नब्ब को पकड़ा रू राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक नब्ब को भी भाजपा इस यात्रा से साधने में काफी हद तक कामयाब रही। इस यात्रा का रूट—मैप भी बहुत सोच—समझकर बनाया गया था। यात्रा की शुरुआत माधोपुर से हुई। माधोपुर वही धरती है जहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण देने से पहले अनशन किया था। वहां से संदेश साफ था—भाजपा के लिए पंजाब सिर्फ एक राज्य नहीं, देश की एकता का प्रतीक

है। दूसरी यात्रा फतेहगढ़ साहिब से निकली। सिख कौम के इतिहास का सबसे दर्दनाक और प्रेरणादायक स्थल। तीसरी तलवंडी साबो से, जो पांच तख्तों में से एक है, दमदमा साहिब। यहां जाकर भाजपा ने सिख परंपरा के प्रति अपना सम्मान दिखाया। चौथी यात्रा फाजिल्का के सदीकी से शुरू हुई, जहां 1971 के युद्ध में हमारे जवानों ने शहादत दी थी। इससे भाजपा ने जनता के बीच संदेश पहुंचाया कि पंजाब वीरों और गुरुओं की भूमि है। सब यात्राओं का समापन जालंधर के देवी तालाब मंदिर में हुआ। शक्ति की उपासना का केंद्र। वहीं से आशीर्वाद लेने के बाद नशा खत्म करने की तारीख और साल का ऐलान अमित शाह ने किया। यह एक प्रतीकात्मक संकल्प था, कि जैसे मां दुर्गा ने असुरों का नाश किया था, वैसे ही भाजपा पंजाब से नशे के असुर का नाश करेगी। यह पंजाब के लोगों को विश्वास दिलाने का सबसे मजबूत तरीका रहा। अपनी उपलब्धियों से जनता में विश्वास जगाया रू लोगों को यह भरोसा दिलाने के लिए कि सिर्फ वही एक पार्टी है जो नशे को खत्म कर सकती है,

सार्क ने 12 वर्षों में कोई शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं किया

मनीष तिवारी 13 सितम्बर को जैसे ही अंतिम ब्रिक्स काफिला भारत मंडपम से निकला, जिसके 2 सप्ताह पहले एस.सी.ओ. शिखर सम्मेलन और आगे जी20 था, तो किसी को एक गुस्ताख सवाल पूछने के लिए माफ किया जा सकता है—भारत आखिरी बार अपने सभी 7 दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के साथ एक मेज पर कब बैठा था? वह 27 नवम्बर, 2014 को काटमांडू में था। उसके बाद से सब कुछ खाली कुर्सी का ही एक इतिहास रहा है। विडंबना तीखी है। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स नेताओं से कहा कि ग्लोबल साऊथ दुनिया के संकटों की अग्रिम पंक्ति में और उसके फेंसलों की पिछली पंक्ति में बैठता है और हमें इस ‘विशेषाष्टि’कार के पिरामिड’ को ‘सांझेदारी के मंच’ में बदलना चाहिए। दक्षिण एशिया, जो मानवता का एक चौथाई हिस्सा है, उसकी कोई पंक्ति ही नहीं है। प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. के आधार पर पीटरसन इंस्टीच्यूट फॉर इंटरनैशनल इकोनॉमिक्स का एक अनुमान बताता है, ‘ग्लोबल साऊथ दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी और वैश्विक जी.डी.पी. के लगभग 39 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है’। सार्क ने 12 वर्षों में कोई शिखर सम्मेलन

कर दिया, जब तक कि भारतीय शांति सेना (आई.पी.के.एफ.) वापस नहीं हट गई, मालदीव और भूटान ने बुनियादी ढांचे, वित्तीय और राजनीतिक बाधाओं के कारण इसे स्थगित किया और पाकिस्तान, बंगलादेश तथा नेपाल में घरेलू अस्थिरता के कारण आगे और व्यवधान उत्पन्न हुए। विदेश मंत्री 2021 तक महासभा के इतर अनौपचारिक रूप से मिलते रहे, जब काबुल की ओर से कौन बोलता है, इस सवाल ने इसे भी समाप्त कर दिया। नेपाल 2014 से अध्यक्ष पद पर बना हुआ है। समितियां संयुक्त सचिव स्तर पर मिलती हैं और बकाए का भुगतान किया जाता है। नई दिल्ली ने वही किया जो बड़ी शक्तियां करती हैं—उसने मंच के इर्द—गिर्द निर्माण किया। उरी के एक महीने के भीतर, भारत ने गोवा में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के साथ—साथ बिस्मटेक आऊटरीच शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। बंगाल की खाड़ी के इस समूह में सार्क के 8 में से 5 सदस्य हैं और पाकिस्तान नहीं है। यह काबुल, माले या सिंधु तक नहीं पहुंच सकता। पड़ोस ने विनम्रता से इंतजार करना बंद कर दिया है। बंगलादेश, जो इस मंच का रचयिता था, इसका सबसे मुखर शोक मनाने वाला रहा है।

हम भारत के बच्चे वीर, बाधाएँ तोड़ें जंजीर। आते जब भी हैं तूफान, लड़ते उनसे सीना तान॥

ऊँची है उन्मुक्त उड़ान, हरियाली भरते खलिहान। नहीं कदम अब रुकते आज, जीत बने अब सिर का ताज॥

हमसे कल की है पहचान, स्वप्न सजीले हैं अरमान। ठोकर खाकर बनते वीर, देते अरि का सीना चीर॥

हम गुलशन के फूल महान, हर मौसम में एक समान। चाहे छाया या हो धूप, मेरा भोला-भाला रूप॥

आँधी, पानी या तूफान, मंजिल पाते मन में ठान। मिल सकती न हमको हार, झंकृत होते मन के तार॥

रचन सक्सेना
प्रयागराज

ट्रम्प की दादागिरी को नियंत्रित करना लाजिमी

प्रो. दरबारी लाल विश्व की सर्वोच्च संसद संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 81वें अधिवेशन में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए विभिन्न राष्ट्रों के



राष्ट्रीय अध्यक्ष, विदेश मंत्री और प्रतिनिधि अपने भाषणों द्वारा संदेश दे रहे हैं। शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष अति महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और उनके भाषण ही भविष्य की दशा और दिशा तय

करते हैं। इस समय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 90 देश युद्ध ग्रस्त हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने विश्व के देशों की दरपेश गंभीर समस्याओं और संकट उत्पन्न करने वाली चुनौतियों को देख कर भी नजरअंदाज किया और अपने भाषण में ईरान को आतंकवादी देश कहा और यह ध्मकी दी कि वह नए सिरे से अमरीका से समझौता करे या सर्वनाश के लिए तैयार हो जाए और अपने विवेकिगत कारनामों की बखूबी चर्चा की। हकीकत में उनका भाषण आक्रामकता, नकारात्मकता और विध्वंसात्मकता की ओर इशारा करता है। ट्रम्प ने महासभा में खुद को शांति का मसीहा होने का दावा किया कि उसने 8 युद्ध ग्रस्त देशों को अपनी टैरिफ नीति से बचा लिया है और यदि वह ऐसा न करते तो इन देशों में 30 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी जानें गंवा बैठते। जबकि हकीकत यह है कि वह न तो रूस और यूक्रेन का युद्ध बंद करवा सके, जो पिछले 4 वर्षों से भारी जानी—माली नुकसान के साथ लगातार जारी है और न ही इसराइल और हमास में युद्धबंदी

समय पर करा सके, जिसके कारण गाजा पट्टी में रहने वाले 70,000 से अधिक लोग मारे गए। दूसरे देशों के युद्ध बंद कराने में तो कामयाब नहीं हुए, बल्कि अमरीका ने खुद ही इसराइल के साथ मिलकर ईरान पर खुली बमबारी की, जिसमें हजारों लोग मारे गए। 1,31,000 ईरानमें धराशायी हो गई। राष्ट्रपति ट्रम्प का यह डींग मारना कि उनके पास गोला—बारूद का इतना भंडार है, जिससे वह सालों तक लड़ाई लड़ सकते हैं और उन्हें नए हथियारों के निर्माण की जरूरत नहीं है। जबकि उनकी अपनी पेंटागन की अगस्त महीने की रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि अमरीका में हथियारों और गोला—बारूद की कमी का संकट पैदा हो गया है। उनके पास क़ूज मिसाइल, इंटरसेप्टर मिसाइल और अन्य हथियारों की जबरदस्त कमी हो गई है। मीडिया के अनुसार इस कमी के कारण अमरीका ने ईरान से युद्ध बंद किया है और इसी कारण नाटो देश भी यूक्रेन की सहायता करने में असहाय हो जाएंगे, जिसका फायदा रूस उठाने में चूक नहीं करेगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने अमरीका और वेनेजुएला के तेल को मिलाकर विश्व का 60 प्रतिशत तेल के मालिक होने का दावा किया है, जबकि सर्वे के अनुसार दोनों देशों के पास केवल 22 प्रतिशत तेल है। सारा विश्व जानता है कि वेनेजुएला अमरीका का न तो कोई प्रदेश है और न ही उसका इस पर कोई संवैधानिक और कानूनी अधिकार है, बल्कि वेनेजुएला एक संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र है और अमरीका ने उसके राष्ट्रपति को अपने पास बंदी बना रखा है और उसकी तेल कम्पनियों से अमरीकी तेल कंपनियां तेल खरीद कर दूसरे देशों को बेच रही हैं। वेनेजुएला

सरकार किसी भी समय बगावत कर सकती है। ताज्जुब यह है कि अन्य शक्तिशाली देश न तो बाहर से और न ही यू.एन. में वेनेजुएला की सम्प्रभुता के हक में खुल कर समर्थन कर रहे हैं। भारी टैरिफ से अमरीका में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। जिससे ट्रम्प की लोकप्रियता में कमी आ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से बड़े—बड़े हिमखंड तेजी से पिघल रहे हैं। यदि ग्लोबल वाघ्म पर नियंत्रण न किया गया तो भविष्य में नदियों के जल में अत्यधिक कमी आ जाएगी। इस मसले को ट्रम्प ने पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। भारत को भविष्य में अधिक सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इस बार यू.एन. में कश्मीर पर पहले तुर्की ने और फिर पाकिस्तान ने राग अलापा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अमरीका की कठपुतली बनकर ट्रम्प की खूब प्रशंसा की और ट्रम्प ने भी पाक प्रधानमंत्री को शाबाशी दी है। दूसरी तरफ तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने मक्का समझौता किया है, जिसे इस्लामिक नाटो का नाम दिया गया है। अमरीका ने ही पाकिस्तान को पहले हथियारों से लैस किया और फिर आतंकवाद का पालन—पोषण करने में हथियार भी दिए और डालरों की वर्षा भी की। सिक्वोरिटी कौंसिल 5 देशों की प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन कर रह गई है। भारत की सकारात्मक, सुजनात्मक और रचनात्मक भूमिका को देखते हुए इसे सिक्वोरिटी कौंसिल का सदस्य बनाया जाए और ट्रम्प की दादागिरी को नियंत्रित करना लाजिमी है, अन्यथा विश्व के कई देशों में खाद्य पदार्थों की भारी किल्लत, तेल और गैस की कमी और आसमान को छूती महंगाई वर्तमान व्यवस्था में अराजकता फैला देगी।



बंदिश बैंडिट्स के सीजन 1 और 2 और अमेजन प्राइम वीडियो की द मेहता बॉयज में अपने सराहनीय अभिनय के जरिए अपनी पीढ़ी की सबसे होनहार अभिनेत्रियों में अपनी जगह बनाने वाली श्रेया चौधरी अब आयुष्मान खुराना के साथ आगामी फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। समीर सक्सेना के निर्देशन में बनी मुपापा का निर्माण यश राज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स ने किया है। पोशम पा पिक्चर्स की सह-स्थापना समीर सक्सेना ने बिस्वपति सरकार, सौरभ खन्ना और अमित गोलानी के साथ की है। यह फिल्म इस स्टूडियो और प्रोडक्शन हाउस के बीच पहला थिएट्रिकल कोलैबोरेशन है। अपने नैचुरल अभिनय और किरदारों में गहराई व भावनाओं को सहजता से पेश करने की क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया ने अपने विविधतापूर्ण काम के जरिए दर्शकों के बीच मजबूत कनेक्ट बनाया है। बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन में उनके



अभिनय को नैचुरल और रिलेटेबल अंदाज के लिए सराहा गया, वहीं द मेहता बॉयज ने उनकी वर्सेटिलिटी और लेयर्ड किरदारों को निभाने की क्षमता को और मजबूती से सामने रखा। मुपापा के साथ श्रेया अपने करियर में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रही हैं। आयुष्मान खुराना के साथ यह थिएट्रिकल रिलीज एक अभिनेता के तौर पर उनके सफर में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। अपने करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर श्रेया चौधरी को वायआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है, जो उनके प्रोफेशनल सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत है। अब वह यश राज फिल्म्स के टैलेंट मैनेजमेंट आर्म वायआरएफ टैलेंट का हिस्सा हैं, जो इंडस्ट्री के स्थापित सितारों के साथ-साथ नई पीढ़ी के कुछ सबसे होनहार नामों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके प्रभावशाली रोस्टर में रानी मुखर्जी, आयुष्मान खुराना, सोनम कपूर, वाणी कपूर, शरवरी, अहान पांडे, अनीत पड्डा समेत कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

तुम एक मजबूत महिला को बर्दाश्त नहीं कर सकते...राइज एंड फॉल 2 में हुआ हाई-वोल्टेज ड्रामा, प्रियंका और गौतम में हुई जमकर बहस

स्ट्रीमिंग रियलिटी शो राइज एंड फॉल सीजन 2 के हालिया एपिसोड में एक्टर गौतम गुलाटी और एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। यह पल प्रियंका चाहर चौधरी के फॉल से ठीक पहले आया, जब टॉवर में दोनों के बीच तीखी बहस हुई। शुरुआत प्रियंका और गौतम गुलाटी के बीच असहमति से हुई लेकिन जल्द ही यह एक गरमा-गरम टकराव में बदल गया, जिसमें पुरानी शिकायतें और ईगो की बातें सामने आईं। मामले को रेड रूम में ले जाते हुए, गौतम ने प्रियंका पर निशाना साधना और साफ तौर पर बताया कि उन्हें प्रियंका का नाम लेने के लिए किस बात ने मजबूर किया। उन्होंने कहा, मैं सम्मान में विश्वास रखने वाला इंसान हूँ, मुझे संदिग्ध लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। मुझे ऐसे लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं जो दोहरी बातें करते हैं, जिन्हें बात करने की तमीज नहीं है, जो अपने सीनियर्स से बदतमीजी करते हैं और फिर उन्हीं लोगों की तारीफ करते हैं... मैंने देखा कि प्रियंका ने फिर से मेरा



बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने इंटरनेट पर वायरल हो रहे अपने यौन रूप से अश्लील डीपफेक वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रविवार को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने डीपफेक वीडियो बनाने वालों की आलोचना की। उन्होंने सहमति के कॉन्सेप्ट को न समझने के लिए उन लोगों की कड़ी आलोचना की और इस तरह के कंटेंट को यौन उत्पीड़न के बराबर बताया। उन्होंने लिखा, महिलाओं को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाने और बिना सहमति के मनगढ़ंत कंटेंट फैलाने के



भरोसा तोड़ाय वह बार-बार उससे गले मिल रही थी, उसके साथ हंस रही थी और उसने ऐसे व्यक्ति की तारीफ की जिसने इतने सारे लोगों के सामने मेरी बेइज्जती की थी। जब गौतम ने इस बारे में बाद में बात करने का सुझाव दिया, तो प्रियंका ने कहा कि सीजन के बाकी समय में उनसे बात करने का उनका कोई इरादा नहीं है। उन्हें झूठा बताते हुए, उन्होंने चुनौती दी, तुमने जो कुछ भी कहा वह झूठ था, तुम झूठे हो गौतम गुलाटी... अब मैदान में आ जाओ। जब गौतम ने उनसे चिल्लाने से मना किया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, तुम एक मजबूत महिला को बर्दाश्त नहीं कर



लिए टेक्नोलॉजी का गलत इस्तेमाल करना बहुत गलत है और यह यौन उत्पीड़न के बराबर है। मेरी इंडस्ट्री में लगभग हर महिला ने कभी न कभी इसका सामना किया है, और हर जगह महिलाएं इसका शिकार हो रही हैं। सहमति, पसंद और महिला के शरीर का सम्मान इंसानियत की सबसे बुनियादी बातें होनी चाहिए। फिर भी, किसी तरह इन्हें मुश्किल माना जाता है। जबकि ये मुश्किल नहीं हैं। हैरानी की बात है कि कुछ लोगों के लिए यह समझना अभी भी मुश्किल है कि अगर कोई महिला लगातार पांच दिन श्वांश कहे और छठे दिन श्वांश

श्रेया चौधरी आयुष्मान खुराना के साथ ‘मुपापा’ में आएंगी नजर, 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

श्रेया चौधरी अब आयुष्मान खुराना के साथ आगामी फिल्म मुपापा में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह फिल्म १९ फरवरी २०२७ को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। समीर सक्सेना के निर्देशन में बनी मुपापा का निर्माण यश राज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स ने किया है।

वायआरएफ टैलेंट का फोकस सिर्फ व्यक्तिगत प्रोजेक्ट्स तक सीमित न रहकर टैलेंट को एक लंबे समय के करियर के लिए तैयार करने पर है। यह आर्म अपने कलाकारों के साथ मिलकर उनके लॉन्ग-टर्म करियर को आकार देने, रणनीतिक ब्रांड और कमर्शियल अवसर तैयार करने और सिनेमा, एंडोर्समेंट्स, फैशन, डिजिटल तथा व्यापक एंटरटेनमेंट लैंडस्केप में उनकी एक अलग पहचान बनाने की दिशा में काम करता है।



सकते, यही तुम्हारी असलियत है। गौतम ने प्रियंका को जवाब देते हुए कहा, क्योंकि तुम प्रियंका हो, तुम क्वीन हो। यहां किंग मैं हूँ। इस तरह उनकी लड़ाई किंग बनाम क्वीन के टकराव में बदल गई। उन्होंने उसके रवैये पर फिर से तंज कसा और कहा कि अगर वह खुद को हीरोइन मानती है, तो उसे “हीरोइन जैसा बर्ताव करना चाहिए। इस बात ने पहले से ही गरमा-गरमी वाली बहस को और भड़का दिया। बनिजे एशिया द्वारा प्रोड्यूस किए गए ‘राइज एंड फॉल’ सीजन 2 को विरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

ये यौन उत्पीड़न के समान है...अपनी DeepFake वीडियो देव भड़की जान्हवी कपूर, महिलाओं को इंसान समझना इतना मुश्किल क्यों है ?

कहे, तो उस ना का सम्मान किया जाना चाहिए। यह क्लिप उनकी फिल्म देवरा की एक एडिट की हुई क्लिप है, जिसमें उन्होंने छज्ज श्रत. के साथ काम किया था। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि अगर कोई महिला मिनीस्कर्ट पहनती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि कोई उसकी स्कर्ट के नीचे कैमरा लगा सकता है, गलत एंगल से फोटो ले सकता है या उसके शरीर का गलत तरीके से इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने आगे कहा, एक महिला किस चीज में सहज महसूस करती है, वह कहाँ सीमा तय करती है और अपने शरीर के साथ क्या करना चाहती है, ये फैसले पूरी तरह से उसके अपने होते हैं। यह बुनियादी बात है। यह उन एआई वीडियो से कहीं आगे की बात है जिनका सामना मैंने पिछले कुछ दिनों में किया है, या मेरे करियर में मैंने जो कुछ भी अनुभव किया है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। यह एक महिला होने की बड़ी सच्चाई, लोगों की नजर, जजमेंट, सुरक्षा के लिए लगातार संघर्ष और इस एहसास के बारे में है कि हमारी सीमाओं को किसी न किसी तरह अपनी मर्जी से समझा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, वह खतरा अब डिजिटल दुनिया में भी फैल गया है, जबकि हमने अभी तक उस असली, शारीरिक डर का ठीक से समाधान नहीं किया है जो हर दिन महिलाओं की जिंदगी को प्रभावित करता है। इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि अपनी बेटी की रक्षा करो। हमें उस सोच को



मोहसिन खान की शादी की पहली तस्वीर आई सामने, दुल्हन तमन्ना संग रोमांटिक अंदाज में दिखे एक्टर

टीवी अभिनेता और ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम मोहसिन खान ने अपनी मंगेतर तमन्ना संग शादी कर ली है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर शादी की एक खूबसूरत तस्वीर साझा कर अपने नए सफर की शुरुआत की है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद फैस और सेलेब्स नवविवाहित जोड़े को लगातार बधाई दे रहे हैं। टीवी इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता और ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ फेम मोहसिन खान ने अपनी मंगेतर तमन्ना के साथ शादी कर ली है। शादी के बाद दोनों ने अपनी जिंदगी के नए सफर की शुरुआत की है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर इस खास मौके की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसके बाद फैस और सेलेब्स उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं।

मोहसिन और तमन्ना की खूबसूरत शादी रविवार को मोहसिन खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम खाते पर शादी की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह अपनी दुल्हन तमन्ना के साथ रोमांटिक अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। दोनों की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। शादी में ऐसा था दोनों का लुक मोहसिन ने अपनी शादी के लिए सफेद और काले रंग का क्लासिक टक्सीडो पहना था। इस लुक में वह काफी अच्छे लग रहे थे। वहीं, तमन्ना पीच और रस्ट गोल्ड रंग के खूबसूरत लहंगे में नजर आईं। तमन्ना के हाथों में दुल्हन की मेहंदी लगी थी और उनका सादा-सुंदर अंदाज फैस को काफी पसंद आया। मोहसिन ने लिखा- “द डे, माशाअल्लाह” शादी की तस्वीर शेयर करते हुए मोहसिन ने कैप्शन में लिखा, ष्द डे, माशाअल्लाह। इसके साथ उन्होंने हमजा मलिक और जैन जोहैब का चर्चित पाकिस्तानी गाना ‘अल्फाज’ भी लगाया। शादी के वेन्यू की भी दिखाई झलक मोहसिन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शादी की जगह की कुछ तस्वीरें भी दोबारा शेयर कीं। एक खास स्टोरी में शादी की जगह के प्रवेश द्वार पर लगा बोर्ड नजर आया, जिस पर “वेलकम टू द वेडिंग ऑफ मोहसिन एंड तमन्ना” लिखा था। मोहसिन और तमन्ना की शादी की तस्वीर सामने आने के बाद फैस और टीवी इंडस्ट्री के लोग दोनों को उनकी नई जिंदगी के लिए बधाई दे रहे हैं।

मोहसिन ने अपनी शादी के लिए सफेद और काले रंग का क्लासिक टक्सीडो पहना था। इस लुक में वह काफी अच्छे लग रहे थे। वहीं, तमन्ना पीच और रस्ट गोल्ड रंग के खूबसूरत लहंगे में नजर आईं। तमन्ना के हाथों में दुल्हन की मेहंदी लगी थी और उनका सादा-सुंदर अंदाज फैस को काफी पसंद आया। मोहसिन ने लिखा- “द डे, माशाअल्लाह” शादी की तस्वीर शेयर करते हुए मोहसिन ने कैप्शन में लिखा, ष्द डे, माशाअल्लाह। इसके साथ उन्होंने हमजा मलिक और जैन जोहैब का चर्चित पाकिस्तानी गाना ‘अल्फाज’ भी लगाया। शादी के वेन्यू की भी दिखाई झलक मोहसिन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शादी की जगह की कुछ तस्वीरें भी दोबारा शेयर कीं। एक खास स्टोरी में शादी की जगह के प्रवेश द्वार पर लगा बोर्ड नजर आया, जिस पर “वेलकम टू द वेडिंग ऑफ मोहसिन एंड तमन्ना” लिखा था। मोहसिन और तमन्ना की शादी की तस्वीर सामने आने के बाद फैस और टीवी इंडस्ट्री के लोग दोनों को उनकी नई जिंदगी के लिए बधाई दे रहे हैं।

भी बदलना होगा जो लोगों को यह विश्वास दिलाती है कि उन्हें किसी और की सीमाओं का उल्लंघन करने का अधिकार है और इस बदलाव का एक हिस्सा ऐसे आदर्श पुरुषों से आएगा जिनमें सही और गलत को स्पष्ट रूप से कहने की नैतिक समझ और हिम्मत हो। एक्ट्रेस ने अपने को-एक्टर एनटीआर श्रत. का उनके साथ खड़े होने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं एनटीआर सर की बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने इतना कड़ा रुख अपनाया और इस गलत हरकत की निंदा की। धन्यवाद सर। जब कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे लाखों लोग अपना आदर्श मानते हैं, किसी ऐसी बात पर आवाज उठाता है जिसका उससे सीधा संबंध नहीं है, तो इससे हर उस महिला को हिम्मत मिलती है जिसने कभी न कभी इस तरह के व्यवहार का सामना किया हो। चिरंजीवी सर, विजय और खुशबू मैम का भी धन्यवाद कि उन्होंने इस भावना को आगे बढ़ाया और इस सोच व अनैतिक व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुझे उम्मीद है कि अभी हमारे आस-पास जो कुछ भी हो रहा है, उससे किसी भी तरह के उत्पीड़न में शामिल लोगों को आत्म-मंथन करने पर मजबूर होना पड़ेगा। क्या एक महिला का बस यह चाहना बहुत बड़ी बात है कि उसके साथ एक इंसान जैसा व्यवहार हो और उसे एक इंसान के तौर पर ही देखा जाए ? उसका शरीर। उसकी छवि। उसकी सीमाएं, उसकी पसंद।



जलकर काला हो गया है चाय का बर्तन, तो चमकाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

हर भारतीय नारी अपनी रसोई की हर एक चीज को शीशे के जैसे चमकाकर रखती है। लेकिन कभी-कभी उनकी लाख कोशिश के बाद भी वह चाय के कुछ जिद्दी व चिपचिपे बर्तनों को साफ करने में फेल हो जाती है। जिनका इस्तेमाल घर में कुछ ज्यादा ही होता है। क्योंकि चाय पीना तो हर किसी को पसंद है। दिन में न जाने कितनी बार घर में चाय बनती है। बार बार इसके प्रयोग से इसके नीचे का हिस्सा चलकर काला हो जाता है और इसके अंदर से अजीब सी गंदगी जमा हो जाती है जो लाख रगड़ने के बाद भी साफ नहीं होती। ऐसे में इन चिपचिपे बर्तनों को साफ करना एक चोलेंज बन जाता है। आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको चाय के बर्तनों को साफ करने के आसान से तरीके बताएंगे। जिनकी मदद से आप के बर्तन पहले जैसे चमक जाएंगे। तो चलिए जानते है कुछ टिप्स के बारे में।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

चाय के बर्तन के जिद्दी दाग साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडे का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर कम से कम 5 मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे धाग तो जाएंगे ही साथ में बर्तनों के अंदर जो जमा गंदगी है वह भी दूर हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

दिनभर चाय के बर्तनों के प्रयोग से उसका काला और सड़ जाना लाजमी है। ऐसे में उस बर्तन को साफ करने के लिए नींबू का सहारा लें। चाय के गंदे बर्तन पर नींबू को रगड़ें। आप नींबू क दो टुकड़े कर के भी चाय के बर्तन में रगड़ सकते है। इससे बर्तन का कालापन जल्दी दूर होगा और बाद में साफ पानी से इसे साफ कर लें।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के काले बर्तनों को साफ करने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा बेस्ट है। इसके लिए सबसे पहले गंदे बर्तन में सिरका और बेकिंग सोडा को 15 मिनट के लिए उसमें डाल दें। इसके बाद लिविवड डिशवॉशर सोप या साफ पानी से उसे धो लें।

नमक से करें साफ

नमक खाने के लिए नहीं किसी चीज के जिद्दी दाग को हटाने में भी कारगर है। इसके लिए चाय के जले बर्तन में 2 चम्मच नमक डालें और फिर पैन को पानी से भरकर लिविवड डिशवॉशर सोप डालकर हल्का गर्म करें। अब एक घंटे इसे ऐसे ही छोड़ने के बाद चम्मच से घिस लें। फिर जुने की मदद से बर्तन को साफ करें। बाद में साफ पानी से इसे धो लें।

ओखली-मूसल में छिपा है स्वाद और सेहत का राज, इस्तेमाल के समय न करें ये गलतियां

आज भी कई भारतीय घरों में जब चाय बनाई जाती है तो अदरक व इलायची को कूटने के लिए ओखली आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कई बार सब्जी में लहसुन, मसाला, अदरक व हरी मिर्च आदि डालने के लिए इसको भी ओखली से कूटते हैं। बता दें



कि वर्तमान में कई घरों में एल्युमीनियम, लोहे या फिर पत्थर की ओखली का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि आजकल के लोगों को ओखली सही तरीके से उपयोग करना नहीं आता है। जिसके कारण वह मसाले को सही से पीस नहीं पाते हैं। इस आर्टिकल के जरिए आज हम आपको ओखली के सही इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हैक्स आपके बहुत काम आएंगे।

ऐसे करें इस्तेमाल

अक्सर लोगों को ओखली इस्तेमाल करते समय यह समस्या होती है कि इसमें मसाले अच्छे से कूट नहीं पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो बता दें आप मूसल का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मूसल को इस्तेमाल करने का एक तरीका होता है। इसका इस्तेमाल किसी हथोड़े की तरह नहीं बल्कि गोल-गोल घुमाकर ओखली में पड़े सामान को कूटा जाता है।

इस्तेमाल करें सूखी ओखली

वहीं ओखली में किसी चीज को कूटने के दौरान सबसे बड़ी गलती यह की जाती है की हम सूखी ओखली का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में मसाले अच्छे से पीस नहीं पाते। इसलिए आप ओखली में मसाला पीसने के लिए सबसे पहले उसमें चावल और नमक डालें। इसके बाद इसे अच्छे से दरदरा कूट लें। फिर ओखली में पानी डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद पानी को फेंक दें और चावल निकालकर उसमें मसाले आदि कूटें।

पत्थर की ओखली : कुछ लोग पत्थर की ओखली की जगह प्लास्टिक या मेटल की ओखली का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि प्लास्टिक या मेटल की ओखली में मसाले अच्छे से पिसते नहीं है। इसलिए आपको पत्थर की ओखली इस्तेमाल करनी चाहिए। पत्थर की ओखली का वजन ज्यादा होने के कारण इसमें मसाले महीने कुटते हैं। आप चाहें तो ब्लैक स्टोन वाली ओखली का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे करें साफ: पत्थर वाली ओखली की साफ-सफाई करने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि नींबू से भी ज्यादा अच्छा ऑप्शन बेकिंग सोडा है। बता दें कि कई बार ओखली की सतह पर गंदगी की मोटी परत जम जाती है। इसलिए आप बेकिंग सोडा से इसको आसानी साफ कर सकती हैं। ओखली को साफ करने के लिए सबसे पहले पानी और बेकिंग सोडा का मिक्स कर लें। फिर इस घोल को ओखली में डालकर कुछ समय के लिए रख दें। इसके बाद आप इसे साफ कर सकते हैं।

विविध



प्रेग्नेंसी में दवा से कम नहीं म्युजिक मां के साथ बच्चे को भी मिलते हैं कई सारे हेल्थ बेनिफिट

म्यूजिक एक बेहतरीन मूड बूस्टर है। म्यूजिक की मधुर धुनों को सुनने से कुछ ही पलों में तनाव दूर हो जाता है। ये एक तरीके की थैरेपी भी है, जिसे पहले के जमाने में शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सिर्फ तनाव में ही नहीं बल्कि हाल ही की कुछ स्टडीज में ये बात सामने आई है कि संगीत प्रेग्नेंसी में भी बड़े फायदे देता है। इससे दोनों में और अजन्मे बच्चे की सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान गाने सुनना

प्रेग्नेंसी में संगीत के संपर्क में आने से नवजात बच्चे में समग्र मानसिक, संज्ञानात्मक, व्यवहारिक, संवेदी, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सुधार होते हैं। एक स्टडी में ये बात भी सामने आई है कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और लाइट म्यूजिक प्रेग्नेंट महिला और उनके अजन्मे बच्चे की सजगत, प्रतिक्रियाओं, आंदोलन और मानसिक उत्तेजना में सुधार देखा, जबकि प्रेग्नेंट महिला में शांत और सकारात्मक प्रभाव प्रदान



स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती। कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घरेलू नुस्खे त्वचा पर इस्तेमाल करके उसे ग्लोइंग बनाना चाहती हैं परंतु इन सभी चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन में वैसा निखार नहीं आ पाता जैसा चाहिए होता है। आज आपको एक ऐसी चीज बताएंगे जो आपकी कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स दूर कर सकते हैं। एप्पल साइड विनेगर आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा। तो चलिए आज आपको बताते हैं इसे स्किन पर इस्तेमाल करने के फायदे...

एंटी-एजिंग स्पोट्स होंगे दूर

कई शोधों में यह साबित हुआ है कि एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड त्वचा के दाग-धब्बे दूर करने में मदद करता है। दाग-धब्बों पर आप इसका इस्तेमाल करके समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स की जगह चेहरे पर आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

झुर्रियां होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। इसके अलावा चेहरे पर मौजूद झुर्रियों को दूर करने के लिए भी आप चेहरे पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है और बढ़ती उम्र में त्वचा पर होने वाली सैगिंग को भी ठीक करता है।

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए महंगे प्रोडक्ट नहीं अपनी डेली रूटीन में शामिल करें ये योग

योग करने से न केवल आप शरीर को फिट रख सकते हैं बल्कि बढ़ती उम्र मे भी अपनी स्किन को ग्लोइंग बना सकते है। अगर तेज धूप व प्रदूषण के कारण आपके चेहरे का निखार कहीं गायब हो गया है तो आप अपनी डेली रूटीन में योग को शामिल कर सकते है। तो चलिए जानते है नियमित योगासन से आपके चेहरे पर कैसे आएगा निखार।

हलासन

हलासन को करने के लिए सबसे पहले एक चटाई को जमीन पर बिछा लें। इसके बाद पीठ के बल लेट कर हथेलियों को बगल में फर्श पर रख दें। फिर दोनों पैरों को 90 डिग्री ऊपर की ओर उठाएं। इसे करते समय पेट की मांसपेशियों का प्रयोग करें। इसी के चलते दोनों हथेलियों को जमीन पर टिका दें। अब पैरों को सिर के पीछे ले जाए।

सर्वांगासन

सबसे पहले एक चटाई को जमीन पर बिछा लें। फिर पीठ के बल लेट जाएं और दोनों हाथों को बगल में जमीन पर रखने की कोशिश करें। इसके बाद अराम से अपने दोनों पैरों को उठाते हुए आसमान की ओर ले जाएं। इसे करने समय धीरे से अपनी श्रोणि को भी ऊपर की ओर ले जाए। अब अपने पूरे जोर के साथ हथेलियों को जमीन पर रखें। इस प्रक्रिया में थोड़ी देर रहे और पैरों की तरह आंखें केंद्रित रखें।

शवासन

एक चटाई को जमीन पर बिछाकर इस आसन को करें। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटें और दोनों पैरों के बीच कम से कम एक फीट की दूरी रखें। वहीं कमर और हाथों के बीच करीब 6 इंच की हो। ध्यान रहे हथेलियां खुली रखें। फिर पैरों के पंजे की तरफ शरीर को ढीला छोड़ते जाए। इसी तरह पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और आराम से सांस लें। बता दें कि आपको इस प्रक्रिया को 10 मिनट तक करें और बाद में पुनरु वाली अवस्था में आ जाए।

शीर्षासन

सबसे पहले सिर को चटाई पर फिर हथेलियों को चटाई पर रखें। अपनी बांहों को 90 डिग्री मोड़ें और कोहनी सीधे कलाई के ऊपर रखें। इसके बाद घुटनों को ऊपर उठाते हुए दोनों पैरों को अपनी हथेलियों की ओर बढ़ाएं। इस बात का ख्याल रखे कि पहले दाहिने पैर को ऊपर उठाएं और फिर बाएं पैर को भी ऊपर उठा लें। पैर की उंगलियों को छत की ओर हंगित करते हुए इस पोजीशन में 20–30 सेकंड रुके रहें।



करता है।

पेट में बच्चा कब से म्यूजिक सुन सकता है

ये माना जाता है कि अजन्मे बच्चे दूसरी तिमाही में संगीत सुन सकते हैं। गर्भधारणा के नौ हफ्ते बाद बच्चे के कान का निर्माण शुरू हो जाता है और बच्चा बाहर की आवाजें सुन सकता है। एक प्रेग्नेंट महिला 25 से 26 सप्ताह प्रेग्नेंट होती हैं, तो आपका बच्चा बाहरी शोर और आवाज का जवाब देना शुरू कर सकता है। तीसरी तिमाही तक, आपका बच्चे आपकी आवाज से इतना परिचित होगा कि वह उसे तुरंत पहचान लेता है।

जानें प्रेग्नेंसी में म्यूजिक सुनने के फायदे

पर्सनालिटी डेवलपमेंट

ऐसा माना जाता है कि जब मां प्रेग्नेंसी के दौरान संगीत सुनती है तो वह आपके बच्चे के पर्सनालिटी को बनाने में मदद करता है, क्योंकि वह बड़ा तेज व्यक्ति बन सकता है। इस प्रकार, सुखदायक संगीत एक शांत और शांत आचरण को प्रोत्साहित कर सकता है, जबकि तेज संगीत आक्रमण लक्षणों को सामने ला



स्किन को ग्लोइंग बनाएगा एप्पल साइड विनेगर, कई और स्किन प्रॉब्लम्स भी होगी दूर

एक्ने और पिंपल्स से मिलेगा छुटकारा

स्किन का पीएच लेवल मेंटेन करने के अलावा एप्पल साइड विनेगर एक्ने दूर करने में भी मदद करता है। यह पिंपल्स के लिए एक टोनर की तरह कार्य करता है यह मुहांसों में मौजूद ज्यादा ऑयल, हटाकर स्किन को कोमल बनाता है। पिंपल्स को दूर करने के लिए इस घरेलू नुस्खे को इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन को करे डिटॉक्स

एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला एंटीबैक्टीरियल प्रॉटीज पाई जाती है जो आपकी त्वचा को साफ करके क्लीज करने और त्वचा में मौजूद टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने से आपकी स्किन रिफ्रेश और साफ रहेगी।



सकता है।

तनाव होता है कम

तनाव को कम करने के लिए संगीत से बेहतर और कुछ नहीं है। ये आपके मन को भी हल्का करता है। यह बदले में, आपके बच्चे को और शांत और सुखी महसूस करवाता है। ये इस प्रकार प्रेग्नेंसी के दौरानतन तनाव से निपटने का एक प्रभावी तरीका है। श्रवण इंद्रियां बेहतर होती हैं

संगीत आपके बच्चे को लयबद्ध ध्वनि तरंगों सा लगता है। बच्चा इन पर ध्यान केंद्रित करता है और ये सजगता में सुधार करते हुए संज्ञानात्मक कौशल और श्रवण इंद्रियों को उत्तेजित करता है।

इस बात का रखें ध्यान

बता दें कि संगीत में एक विशेष लय होता है जिससे बच्चों को पहचानना और याद रखना आसान हो जाता है। यह माना जाता है कि बच्चे की सांस लेने से लेकर दिल की धड़कन की रफ्तार तक पर इससे फर्क पड़ता है । इसलिए, तेज या चिल्लाता हुआ सा संगीत आपके बच्चे के लिए उपयुक्त नहीं होगा और ये आपके स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ा सकता है।



चेहरे की सूजन होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा से सूजन हटाने में भी मदद । इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व सूजन और जले जैसी समस्याओं से राहत दिलवाती हैं। इसके अलावा किसी भी तरह के इंफेक्शन के कारण होने वाली जलन दूर करने में भी यह मदद करता है। कैसे करें इसका इस्तेमाल?

दाग धब्बे, एंटी एजिंग लक्षण और डॉर्क स्पॉट्स दूर करने के लिए आप कॉटन पर एप्पल साइड विनेगर लगाएं। इसके बाद इसे सीधा चेहरे के निशानों पर लगाएं। इसके अलावा स्किन पर आप इसका टोनर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। टोनर बनाने के लिए सेब के सिरके में 50: पानी मिलाएं। चेहरे पर अच्छे से लगाने के बाद कॉटन बॉल का इस्तेमाल करें। जब ये सूख जाए तो चेहरा धो लें।

इस बात का भी रखें ध्यान

चेहरे पर सेब का सिरका लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

. मुंहासों को कम करने के लिए सेब का सिरके का यदि आप इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक्सपर्ट की सलाह जरूर ले लें खासकर अगर आप पहले से ही त्वचा पर कोई दवाई लगा रहे है तो।

. कोशिश करें कि हफ्ते में 2–3 बार से ज्यादा एप्पल साइड विनेगर का इस्तेमाल न करें। ज्यादा इस्तेमाल से स्किन ड्राई हो सकती है।

एप्पल साइड विनेगर एक नैचुरल चीज हो जो आपकी स्किन की कई समस्याएं दूर कर सकता है।



सक्षिप्त



प्रदूषण घटाने के लिए ईवी ही इकलौता समाधान नहीं, प्रौद्योगिकी-तटस्थ रुख जरूरी: टीवीएस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन

ऑटोमोबाइल सेक्टर में प्रदूषण घटाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के जारी प्रयासों के बीच टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को स्पष्ट किया कि प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन ही एकमात्र रास्ता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वाहन उद्योग को प्रौद्योगिकी-तटस्थ दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, ताकि पर्यावरण और देश पर पड़ने वाले कुल प्रभाव के आधार पर विभिन्न ईंधनों और तकनीकों का सही इस्तेमाल हो सके। श्रीनिवासन नई दिल्ली में आयोजित इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट संगोष्ठी 2026 से इतर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। श्रीनिवासन ने गुणवत्ता प्रबंधन पर केंद्रित ‘आईएफक्यूएम संगोष्ठी 2026’ से इतर बातचीत में कहा, “हमें प्रौद्योगिकी के मामले में तटस्थ या निरपेक्ष रहना चाहिए और प्रदूषण, गुणवत्ता तथा पर्यावरण के लिहाज से देश पर इसके कुल प्रभाव को देखना चाहिए। इसलिए, ईवी ही एकमात्र समाधान नहीं है।” उन्होंने कहा कि ईवी को उपभोक्ताओं की पसंद के आधार पर स्वाभाविक रूप से बढ़ने देना चाहिए। भारत में खासकर तिपहिया एवं दोपहिया वाहन क्षेत्र में ईवी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। पेट्रोल में एथनॉल मिलाने के बारे में उन्होंने कहा कि इससे भारत को ईंधन आयात पर निर्भरता घटाने में मदद मिल सकती है और अब तक वाहनों के प्रदर्शन पर इसका असर बहुत सीमित रहा है। उन्होंने कहा, “प्रदर्शन में गिरावट बहुत मामूली है। मुझे लगता है कि इससे हमें हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। आखिर, पूरा ब्राजील एथनॉल पर ही चलता है।” श्रीनिवासन ने कहा कि ई10 तक एथनॉल मिश्रण के मामले में उपभोक्ताओं को अलग-अलग ईंधन विकल्प देने की जरूरत नहीं है, लेकिन इससे अधिक मिश्रण स्तर होने पर विकल्प दिए जाने की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि एथनॉल की अधिक मात्रा से वाहन में इस्तेमाल होने वाली सामग्री पर असर पड़ने की चिंता इसकी वजह है। श्रीनिवासन ने भारतीय कंपनियों से वैश्विक बाजार में विस्तार के लिए गुणवत्ता और उत्पादकता के अंतरराष्ट्रीय मानकों को हासिल करने और उनसे आगे निकलने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए ‘गुणवत्ता’ का पर्याय बनना होगा।

भारत के परमाणु ऊर्जा विस्तार में यूसीआईएल निभाएगा अग्रणी भूमिका, जादूगोड़ा में 75वीं वर्षगांठ

जादूगोड़ा (झारखंड)। यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) भारत की परमाणु ऊर्जा विस्तार योजना में महत्वपूर्ण योगदान देने की दिशा में काम कर रहा है। झारखंड के जादूगोड़ा में यूसीआईएल की 75वीं वर्षगांठ के समारोह में परमाणु ऊर्जा आयोग की सदस्य-वित्त सीमा जैन ने कहा कि यह अवसर यूरेनियम के खनन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में कंपनी की छह दशक की यात्रा तथा देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में उसके योगदान को दर्शाता है। उन्होंने कहा, “भारत परमाणु ऊर्जा की विस्तारित भूमिका की ओर देख रहा है और ऐसे में यूसीआईएल का योगदान देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका में होगा।” जैन ने भारत में यूरेनियम खनन और प्रसंस्करण की क्षमताओं की नींव रखने वाले होमी जहांगीर भाभा और अन्य अग्रदूतों को भी याद किया। उन्होंने कहा, “दशकों में यूसीआईएल के कर्मचारियों की कई पीढ़ियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हुए राष्ट्रीय प्रयास को जारी रखने के लिए समर्पण और दृढ़ता का परिचय दिया है।” जैन ने जादूगोड़ा स्थित कंपनी की अनुसंधान एवं विकास इकाई में प्रौद्योगिकी प्रायोगिक संयंत्र का भी दौरा किया। परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अजित कुमार मोहंती ने कहा कि यह उपलब्धि इस बात को फिर से रेखांकित करती है कि भारत के परमाणु ऊर्जा मिशन को आगे बढ़ाने में नवाचार और क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण हैं। यूसीआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक काचम आनंद राव ने कहा कि कंपनी ने छह दशक में यूरेनियम खनन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचा तैयार किया है। साथ ही प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को मजबूत किया है।

टाटा संस चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन बोले, वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत

नयी दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि अनिश्चित एवं मुश्किल दौर से गुजर रही दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और कई संकेतक बताते हैं कि देश स्थिर तथा मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक वृद्धि को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार और मानव पूंजी में निवेश “महत्वपूर्ण” हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि ‘विकसित भारत 2047’ की परिकल्पना देश के कई पहलुओं में समाहित हो चुकी है। इसको साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की जरूरत होगी। चेयरमैन ने कहा कि ‘विकसित भारत 2047’ का लक्ष्य देश के कई क्षेत्रों में पहुंच चुका है। इसको पूरा करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की जरूरत होगी। भारतीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, “...ये तीनों महत्वपूर्ण होंगे।” चंद्रशेखरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और पिछले कई वर्षों में उसने लगातार उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए “एक अनिश्चित और मुश्किल दुनिया में” सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और सरकार की अनुकूल नीतिगत परिस्थितियों से संचालित हो रही है।

खेल

श्रीलंका से 63 रन की हार के बाद बांग्लादेश कप्तान लिटन दास ने किया कप्तानी छोड़ने से इनकार

एशियाई खेलों में श्रीलंका के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबला 63 रन से गंवाने के बाद बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने कप्तानी छोड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने अपनी खराब बल्लेबाजी स्वीकार की, लेकिन टीम होटल मामले में खिलाड़ियों का बचाव करते हुए सुविधाओं पर सवाल उठाए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के लिए एशियाई खेलों का अभियान निराशाजनक रहा है। टीम कांस्य पदक के मुकाबले में श्रीलंका से 63 रन से हार गई और पहली बार एशियाई खेलों में क्रिकेट से कोई पदक हासिल नहीं कर सकी। इस हार के बाद कप्तान लिटन दास की कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे हैं, लेकिन उन्होंने पद छोड़ने की किसी संभावना से साफ इनकार किया है। बता दें कि कांस्य पदक के मुकाबले में श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने शुरुआती दौर में 21 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद थारिदु रत्नायके

ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 65 रन की तेज पारी खेली और मुकाबले का रुख बदल दिया। उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने में सफल रहा और अंत में बांग्लादेश को 63 रन से हरा दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, मुकाबले के बाद लिटन दास ने माना कि बांग्लादेश की टीम अपने स्तर के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने खास तौर पर थारिंदु रत्नायके की पारी की तारीफ की। लिटन के मुताबिक, बांग्लादेश के गेंदबाजों ने शुरुआती 8 ओवर में अच्छी गेंदबाजी की थी, लेकिन इसके बाद रत्नायके ने जिस तरह के शॉट खेले, उससे गेंदबाजों के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया। लिटन ने कहा कि रत्नायके ने असाधारण बल्लेबाजी की और बांग्लादेश के गेंदबाजों के पास उन्हें रोकने का कोई आसान तरीका नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि जब बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो वह श्रीलंका के स्कोर का सही जवाब नहीं दे सकी। टीम



की बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और इसी वजह से मुकाबला हाथ से निकल गया। कप्तान के तौर पर खुद लिटन का प्रदर्शन भी इस प्रतियोगिता में अच्छा नहीं रहा। उन्होंने एशियाई खेलों में बांग्लादेश के 2 मुकाबलों में क्रमशः 2 और 0 रन बनाए। उन्होंने खुद माना कि उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने कप्तानी छोड़ने की बात को खारिज कर दिया। लिटन ने कहा कि क्रिकेट

में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। एक दिन प्रदर्शन अच्छा होता है और दूसरे दिन खराब हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह बड़े लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों में आए थे और उसे पूरा नहीं कर पाने का उन्हें भी दुख है, लेकिन सिर्फ इस वजह से कप्तानी छोड़ने का कोई मतलब नहीं है। उनका कहना है कि बांग्लादेश की टीम ने पहले भी काफी कुछ हासिल किया है और भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश जारी रखेगी। गौरतलब

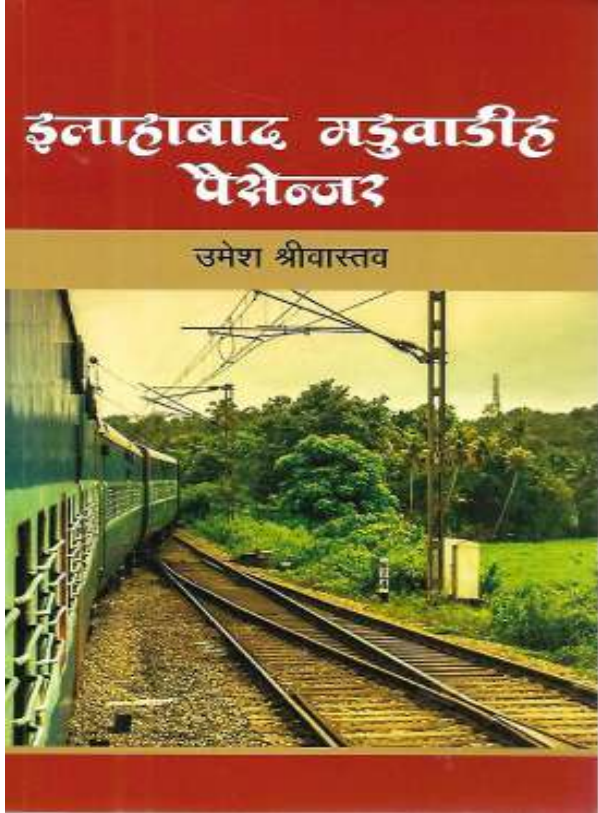
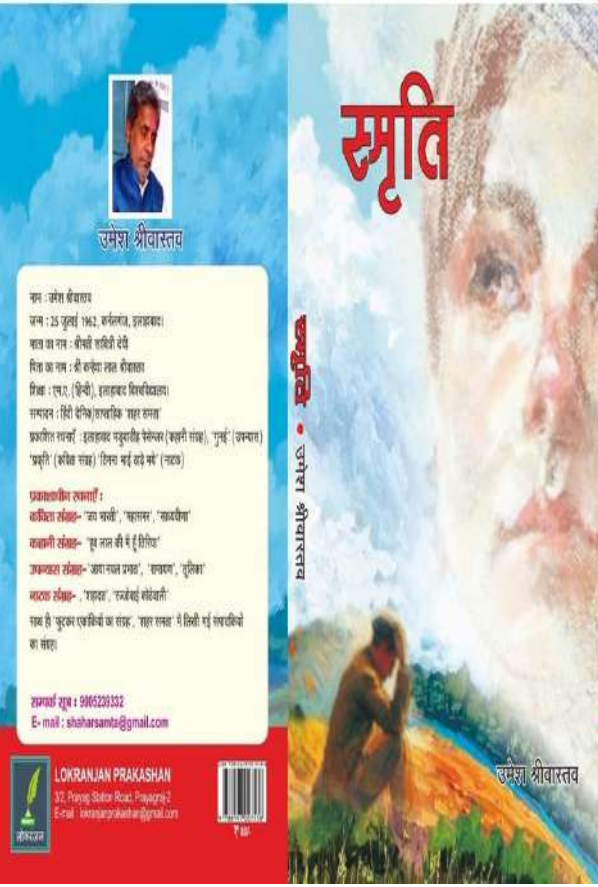
है कि हार के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों के टीम होटल से बिना अधिकारियों को जानकारी दिए बाहर जाने की खबरें भी सामने आई हैं। ऐसी चर्चा थी कि इस मामले में खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, लिटन ने खिलाड़ियों का बचाव किया और टीम को मिलने वाली सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। लिटन के मुताबिक खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए उचित जगह चाहिए और अगर होटल या

का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, तिलक का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत करीब 55 का है और वह तीनों प्रारूपों में आसानी से अपनी जगह बनाने की क्षमता रखते हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इस बात का संकेत देता है कि उनके पास लंबी पारी खेलने की तकनीक भी मौजूद है। हालांकि, तिलक के सामने सबसे बड़ी चुनौती वनडे क्रिकेट में अनुभव की कमी है। उन्होंने भारत के लिए अब तक केवल 4 वनडे मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 2 बार नंबर 3, जबकि 1–1 बार नंबर 4 और नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है। इन मुकाबलों में उन्होंने कुल 68 रन बनाए हैं और उनका औसत 22.67 रहा है। तिलक का आखिरी वनडे मुकाबला दिसंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया था। उसी सीरीज में रतुराज गायकवाड़ ने नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक भी लगाया था। ऐसे में नंबर 3 के लिए तिलक अकेले दावेदार नहीं होंगे और टीम प्रबंधन को आने वाले समय में कई खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिल सकता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, कोहली की जगह भरना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होगा। नंबर 3 पर भारत को सिर्फ रन बनाने वाला खिलाड़ी नहीं, बल्कि दबाव में पारी संभालने और जरूरत के मुताबिक तेजी से रन बनाने वाला बल्लेबाज चाहिए। कोहली ने वर्षों तक यह भूमिका निभाई है

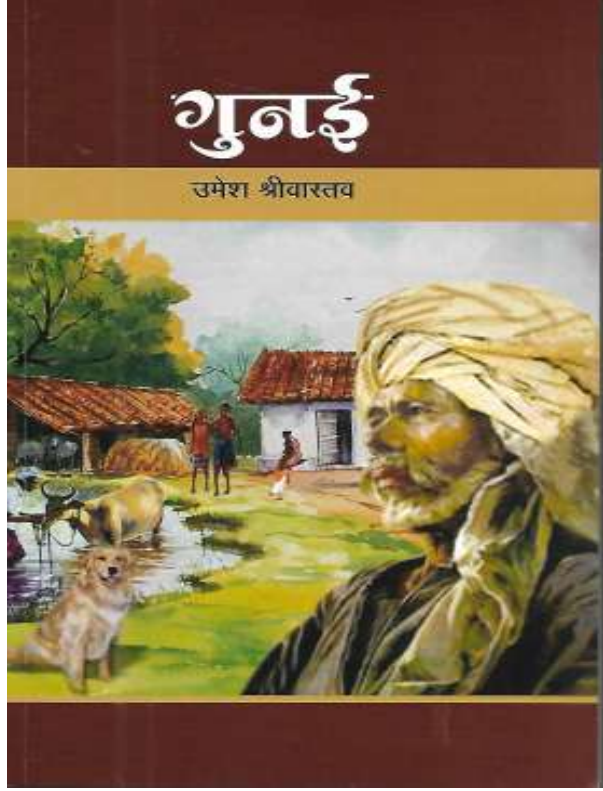
वसीम जाफर का दावा विराट कोहली के बाद ODI में नं0 3 पर तिलक वर्मा बनेंगे मजबूत विकल्प

भारतीय क्रिकेट टीम में विराट कोहली के बाद नंबर 3 की जिम्मेदारी किस बल्लेबाज को मिलेगी, इसे लेकर अभी से चर्चा शुरू हो गई है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि तिलक वर्मा इस भूमिका के लिए एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं। उनका कहना है कि तिलक में अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने और परिस्थिति के हिसाब से अपना खेल बदलने की अच्छी क्षमता है। बता दें कि विराट कोहली ने साफ कर दिया है कि 2027 का वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा। ऐसे में भारतीय टीम को लंबे समय से नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर रहे कोहली का विकल्प तैयार करना होगा। कोहली ने इस स्थान पर करीब 15 साल तक टीम को मजबूती दी है और उनके जाने के बाद शीर्ष क्रम में एक बड़ी जगह खाली होने वाली है। वसीम जाफर ने अपने यूट्यूब चैनल

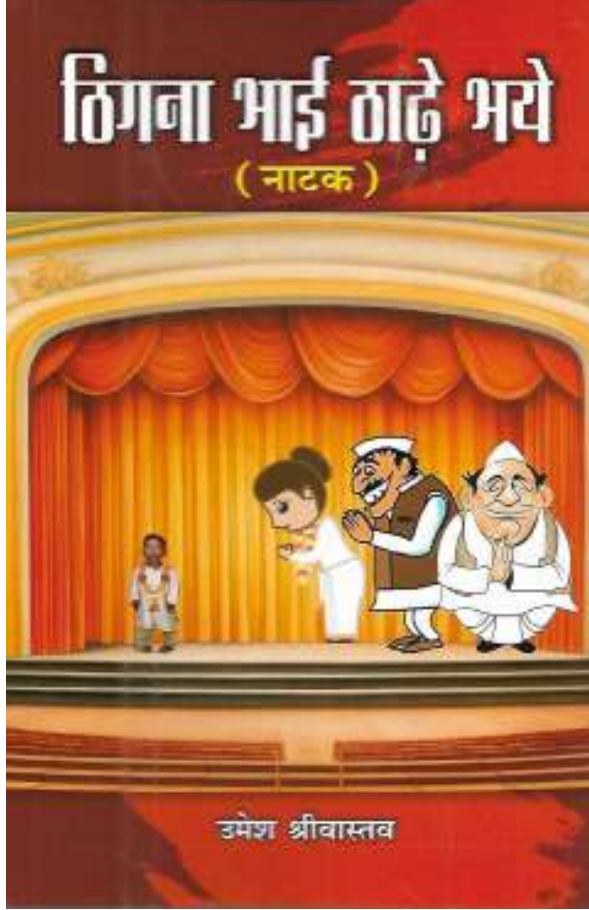
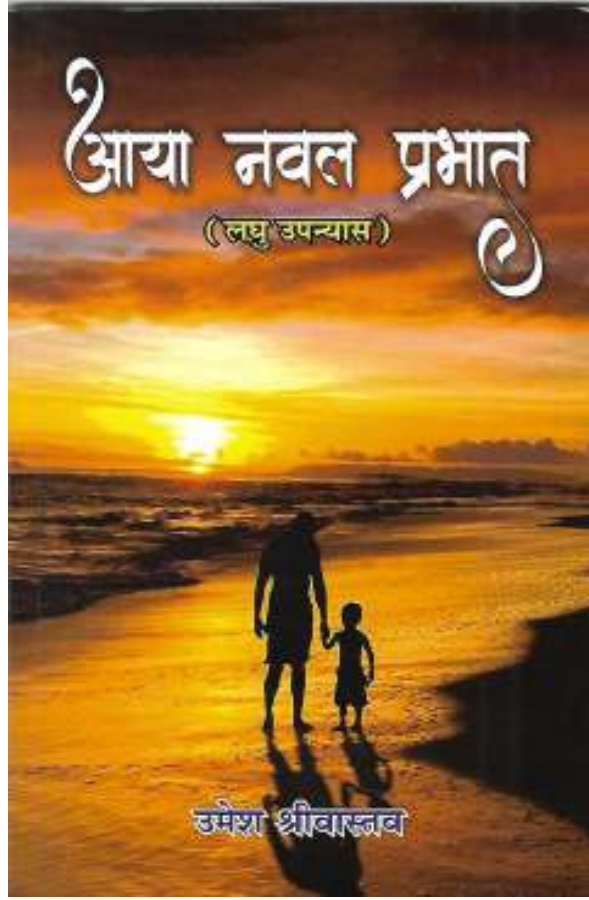
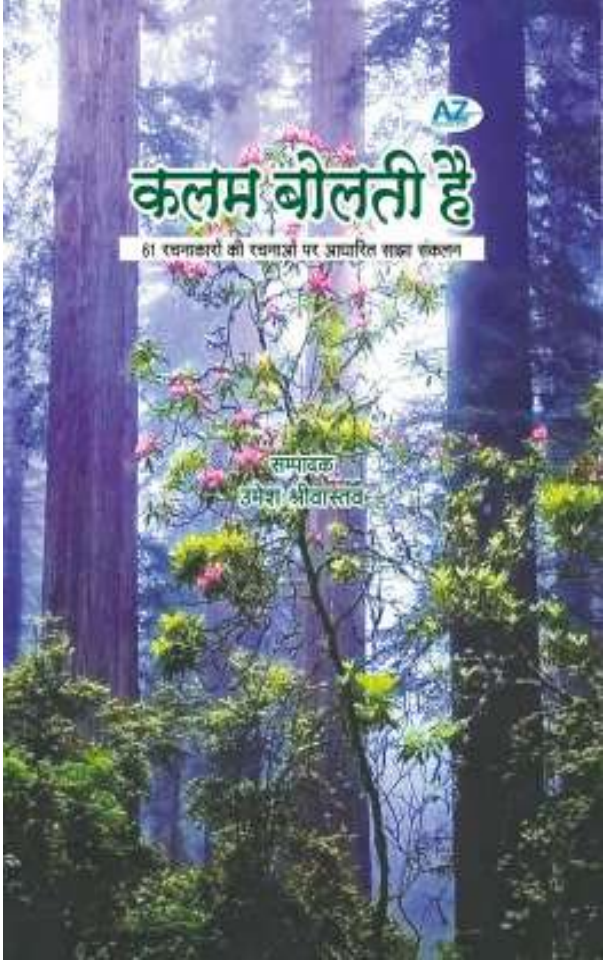
पर तिलक वर्मा की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तिलक पहले नंबर 3 पर शतक लगा चुके हैं और इसके बाद टी20 क्रिकेट में नंबर 5 और नंबर 6 पर भी अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर चुके हैं। जाफर के मुताबिक, एक बल्लेबाज के लिए अलग-अलग क्रम पर सफलतापूर्वक खेलना बड़ी खूबी है और तिलक में यह क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि जाफर ने भारतीय टीम के भविष्य के शीर्ष क्रम को लेकर एक और संभावना भी सामने रखी है। उनका मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के जाने के बाद भारत के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी बढ़ सकती है। रोहित शर्मा की जगह यशरवी जायसवाल को सलामी बल्लेबाज के रूप में देखा जा सकता है, जबकि कोहली की जगह तिलक वर्मा जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज को मौका मिल सकता है। जाफर ने तिलक की प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बल्लेबाजी



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूक्रेन के सूमी में भारतीय दवा कारखाने पर रूसी ड्रोन अटैक, एक की मौत

कीव। यूक्रेन के सूमी इलाके में दवाई के कारखाने पर रूसी हमले में वहां काम करने वाले एक कर्मचारी की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दवाई का यह कारखाना भारतीय नागरिक का है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले में मारे गए व्यक्ति के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, “आज सुबह रूसियों ने एक बार फिर कीव में पिवनिचनी पुल को ड्रोन से निशाना बनाया। उन्होंने सूमी में एक फार्मास्यूटिकल गोदाम पर ड्रोन से हमला किया। दुखद रूप से, इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। मैं उसके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।” भारत में यूक्रेनी दूतावास ने दवा के इस कारखाने को भारतीय स्वामित्व वाला बताया। दूतावास ने ‘एक्स’ पर कहा, “हमलावर को इस बात की परवाह नहीं है कि यह कोई सैन्य ठिकाना नहीं है। उसे इस बात की भी परवाह नहीं है कि यह दवा की फैक्टरी है, जहां बेहद जरूरी दवाइयां बनाई जाती हैं।” दूतावास ने कहा, “इन लोगों को इस बात की भी परवाह नहीं है कि यह फैक्टरी भारतीय मालिकों की है। पाखंडी लोग अब भी भारत और मॉस्को के बीच ‘ऐतिहासिक मित्रता’ की बात करते रहते हैं। वास्तव में, मौत और तबाही रूसी फासीवाद का असली चेहरा हैं, जो एक मुखौटे के पीछे छिपा हुआ है।” दूतावास ने कहा, “हम मारे गए व्यक्ति के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। साथ ही, फैक्टरी के नष्ट होने पर भारतीय मालिकों के प्रति भी अपनी हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करते हैं।” रिपोर्ट के अनुसार, हमले में तीन अन्य लोग घायल भी हुए हैं। रविवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए केवल कूटनीतिक प्रयासों तक सीमित रहने के बजाय हाल के महीनों में अपनी कोशिशें तेज की हैं और कीव तथा मॉस्को दोनों के साथ बातचीत की है।

कैरेबियाई सागर में संदिग्ध ड्रग बोट पर यूएस मिलिट्री का हमला, 4 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने रविवार को कैरेबियाई सागर में संदिग्ध रूप से मादक पदार्थों की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाली एक नौका पर हमला किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई लातिन अमेरिका में कथित मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के करीब एक साल से जारी अभियान का हिस्सा है। इस हमले के साथ सितंबर 2025 से अमेरिकी सेना द्वारा ऐसी नौकाओं पर किए गए 70 हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 235 हो गई है। ‘यूएस सदर्न कमांड’ ने कहा कि नौका को मादक पदार्थों की तस्करी के ज्ञात मार्ग पर निशाना बनाया गया। हालांकि, सेना ने यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया कि नौका में मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे। सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट किए गए वीडियो में चलती हुई एक नाव को विस्फोट में नष्ट होते दिखाया गया। सेना ने इसे तेज गति से चलने वाली नाव बताया है। ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका के कई देशों में जमीनी अभियान का विस्तार करने के लिए सहयोगी देशों के साथ समझौते भी कर रहा है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अमेरिकी सेना के साथ संयुक्त अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है, हालांकि ग्वाटेमाला ने इससे इनकार किया है। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के अभियान शुरू किए थे।

कथित आतंकी साजिश की जांच के बीच US Air Force ने ब्रिटेन से वापस बुलाए सभी बमवर्षक विमान

वाशिंगटन, पांच अक्टूबर (एपी) इंग्लैंड स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे आरएएफ फेयरफोर्ड को निशाना बनाकर कथित आतंकवादी हमले की साजिश की जांच के बीच अमेरिकी वायुसेना ने वहां तैनात अपने सभी बमवर्षक विमानों को वापस अमेरिका बुला लिया है। इन विमानों का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए किया गया था। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर रविवार को बताया कि इन बमवर्षक विमानों को अमेरिका में उनके मूल ठिकानों पर वापस भेज दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें नए हमले करना भी शामिल है। ट्रंप ने शनिवार को ओहायो में एक रैली में शामिल होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस से रवाना होते समय पत्रकारों से कहा, “ईरान को लेकर मुझे कुछ फैसले करने हैं। ईरान तबाह हो चुका है और अब प्रश्न यह है कि आगे कड़े कदम उठाने हैं या आसान।” पिछले सप्ताह मध्य लंदन में ब्रिटेन–ईरानी नागरिकता वाले एक व्यक्ति को आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी सितंबर के अंत में आरएएफ फेयरफोर्ड में हुई एक घटना के बाद की गई।

ब्रिटेन के अधिकारियों ने इस घटना को तेहरान से जोड़ा है। ईरान ने इसमें शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन वह पहले कह चुका है कि उसके क्षेत्र पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी सैन्य अड्डे को वह वैध लक्ष्य मानता है। ब्रिटेन के अधिकारियों का कहना है कि ईरान से जुड़े उसके समर्थक संगठनों ने ब्रिटेन और अन्य देशों में आगजनी तथा अन्य हमलों की कई घटनाओं को अंजाम दिया है। इनमें से कई हमले यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किए गए और उनका उद्देश्य लोगों में डर पैदा करना था। लंदन से करीब 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित आरएएफ फेयरफोर्ड का इस्तेमाल पश्चिम एशिया में दशकों से चले आ रहे विभिन्न संघर्षों के दौरान अमेरिकी बमवर्षक विमानों के लिए किया जाता रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक /साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

विदेश

इमरान खान की रिहाई के लिए पीटीआई के मार्च ने शहबाज-मुनीर को हिलाया, इस्लामाबाद के रास्ते बंद, धारा 144 लागू, 2000 कार्यकर्ता गिरफ्तार



बातचीत के दो दौर खत्म सरकार के बातचीत करने वालों और इमरान खान की पार्टी के नेताओं के बीच बातचीत का दूसरा दौर शनिवार शाम 4 बजे शुरू हुआ और रात भर चलता रहा। हालांकि, रविवार तड़के बातचीत खत्म हुई और दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। पीटीआई समर्थकों ने खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत से लॉन्ग मार्च शुरू

किया। रविवार, 4 अक्टूबर को बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक गांधी चौक पर जमा हुए और वहां से मार्च में शामिल हुए। हजारों प्रदर्शनकारी अब लगभग 275 किलोमीटर दूर स्थित इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं। च्च का दावा है कि मार्च को राजधानी तक पहुंचने से रोकने की सरकारी कोशिशों के दौरान उसके लगभग 2,000 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। इस

भारत का पाकिस्तान पर बड़ा एक्शन, राजदूत को ‘हड़काया’... हिलाया पूरा इस्लामाबाद



जाने पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीमा पार घुसपैठ और ड्रग्स तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करने कर्मियों ने निहत्ते नागरिकों के खिलाफ बिना उकसावे के घातक बल का इस्तेमाल किया। बल का इस्तेमाल पूरी तरह अनुचित था। फिर क्या था? भारत के प्रभारी राजदूत को तलब कर बॉर्डर पर मारे गए दोनों घुसपैठियों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है और दावा किया है कि वह आम नागरिक थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि बीएसएफ कर्मियों ने निहत्ते नागरिकों के खिलाफ बिना उकसावे के घातक बल का इस्तेमाल किया। बल का इस्तेमाल पूरी तरह अनुचित था। फिर क्या था? भारत के प्रभारी राजदूत को तलब करने के लेकर भारत के विदेश मंत्रालय ने बड़ा एक्शन लिया। भारत ने बताया कि तीन लोग पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा के अंदर घुस आए थे। सीमा सुरक्षा बल यानी

बीएसएफ ने उन्हें कई बार चेतावनी दी कि वह वापस पाकिस्तान लौट जाएं। इसके बावजूद वो लोग रुके नहीं और सीमा पर लगी बाढ़ की तरफ बढ़ते रहे। हालात को देखते हुए बीएसएफ को उन पर कार्रवाई करनी पड़ी क्योंकि वह सुरक्षा के लिए तुरंत खतरा बन चुके थे। भारत ने साफ कहा है कि कोई अकेली घटना नहीं है। यह इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान से काम करने वाले हथियार बंद नशा तस्करों के गिरोह बार–बार सीमा पार आने की कोशिश करते हैं। भारत ने पाकिस्तान सरकार से मांग

की है कि वो इन घुसपैठों और नशे की तस्करी की जांच कराएं। साथ ही पाकिस्तान के सीमा सुरक्षा बलों की मिलीभगत की भी जांच हो और इस पर जरूरी सुधार के कदम उठाए जाएं। यानी कि भारत ने एक तरफ घुसपैठ और नशा तस्करी पर पाकिस्तान को घेरा है तो दूसरी तरफ फिरोजपुर की घटना पर लगे आरोपों को गलत बताया है। पाकिस्तान को लग रहा था कि वो भारत के प्रभारी राजदूत को तलब करके बहुत बड़ा तीर मार देगा। लेकिन वो भूल गया था कि भारत भी सख्त एक्शन लेने से पीछे नहीं हटता है।

एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने गर्ल्फ्रेंड एलेक्सिस विल्किन्स से की सगाई दिखाई चमचमाती अंगूठी, विवादों में रहा है रिश्ता

एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल और अमेरिकी कंट्री सिंगर व पॉलिटिकल कमेंटेटर एलेक्सिस विल्किंस ने अपनी सगाई का ऐलान किया है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने अपने उस रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है, जिस पर पटेल के अमेरिकी लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी का प्रमुख बनने के बाद से ही लोगों की नज़र थी। विल्किंस (27) ने रविवार शाम 7 पर पटेल (46) के साथ एक



ब्लैक–एंड–व्हाइट तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह पटेल के बगल में खड़ी होकर अपनी सगाई की अंगूठी दिखा रही हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा कानून को भी इसमें शामिल कर लिया ९ बाद में पटेल ने भी उनकी इस घोषणा को रीपोस्ट किया। यह कपल 2025 में पटेल के थ्टए डायरेक्टर बनने से पहले से ही साथ है। जब पटेल ने एजेंसी के डायरेक्टर के तौर पर शपथ ली, तब विल्किंस भी वहां मौजूद थीं। हाल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की पहली मुलाकात 2022 में नैशविले में एक इवेंट में हुई थी और 2023 में उन्होंने एक–दूसरे को डेट करना शुरू किया।

एलेक्सिस विल्किंस कौन हैं?

विल्किंस एक कंट्री म्यूज़िक सिंगर और पॉलिटिकल कमेंटेटर हैं। उन्होंने 2023 में अपना पहला म्यूज़िक प्रोजेक्ट रिलीज़ किया

और वे कंजर्वेटिव संगठनों और पॉलिटिकल इवेंट्स से जुड़ी रही हैं। अपनी वेबसाइट पर, विल्किंस कंट्री म्यूज़िक के प्रति अपने नज़रिए को ऐसे बताती हैं जो कंट्री परंपरा का सम्मान करते हुए उसमें आज की प्रासंगिकता और मौजूदा कमेंट्री को जोड़ता है। वे कंजर्वेटिव मुद्दों से जुड़े पॉलिटिकल और पब्लिक इवेंट्स में भी शामिल हुई हैं। विल्किंस अमेरिका 250 के तहत नेशनल मॉल पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर में परफॉर्म करने वालों में शामिल थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके शामिल होने से पहले कुछ अन्य आर्टिस्ट्स ने यह जानकर इवेंट से नाम वापस ले लिया था कि यह कोई नॉन–पार्टिसन (बिना किसी पार्टी के झुकाव वाला) सेलिब्रेशन नहीं था।

विल्किंस के साथ पटेल के सफ़र से जुड़ा विवाद

पटेल के सरकारी विमान के इस्तेमाल को लेकर भी उनके रिश्ते पर सवाल उठे हैं। एफबीआई डायरेक्टर को उन यात्राओं के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिनके बारे में आलोचकों का कहना था कि उनका कोई साफ कानूनी मकसद नहीं था। ऐसी ही एक घटना में एफबीआई का विमान पेंसिल्वेनिया के स्टेट कॉलेज गया, जहाँ विल्किंस ने एक प्रोफेशनल रेसलिंग इवेंट में राष्ट्रगान गाया। बाद में विल्किंस की शेयर की गई तस्वीरों में उन्हें और पटेल को एक साथ देखा गया, जिसमें विल्किंस ने एक बड़ी चॉपियनशिप बेल्ट पकड़ी हुई थी। इस मामले ने इस जोड़े के सार्वजनिक तौर पर साथ दिखने की ओर और ज्यादा ध्यान खींचा, क्योंकि पटेल एफबीआई डायरेक्टर के तौर पर अपनी अहम भूमिका निभा रहे थे।

सगाई से इस हाई–प्रोफाइल जोड़े पर सबकी नज़रें

यह सगाई उस रिश्ते में एक निजी उपलब्धि जोड़ती है जो लगातार लोगों की नज़रों में रहा है। एफबीआई डायरेक्टर के तौर पर पटेल की भूमिका और कंट्री म्यूज़िक व राजनीतिक कमेंट्री में विल्किंस के काम ने दोनों को ही प्रमुख सार्वजनिक हलकों में बनाए रखा है।

इलाहाबाद मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026

मांग रहे हैं। वे इमरान खान की जांच के लिए निजी डॉक्टर की अनुमति भी मांग रहे हैं। इमरान खान के समर्थकों का काफिला कहीं–कहीं रुकेगा? काफिले का तय रूट और रुकने की जगहें इस प्रकार हैं: 5 अक्टूबर: काफिला दोपहर 12:30 बजे करक से निकलेगा और रात में कोहाट के पास रुकेगा। 6 अक्टूबर: कोहाट, हंगू, कुर्रम और ओरकजई से प्रदर्शनकारी दोपहर में काफिले में शामिल होंगे। इसके बाद काफिला पेशावर की ओर बढ़ेगा और रात में मट्टानी के पास रुकेगा। 7 अक्टूबर: काफिला दोपहर में पेशावर के बुध बैर से निकलेगा। पेशावर के दूसरे इलाकों से लोग कोहाट रोड ब्रिज और मोटरवे टोल प्लाजा पर इसमें शामिल होंगे। इसके

बाद काफिला रात में चारसड्डा इंटरचेंज के पास रुकेगा। 8 अक्टूबर: चारसड्डा और मोहमंद से लोग दोपहर 12:30 बजे काफिले में शामिल होंगे। इमरान खान 2023 से जेल में हैं। 73 साल के पूर्व क्रिकेटर और राजनेता इमरान खान 2023 से जेल में हैं। उन पर भ्रष्टाचार और हिंसा भड़काने जैसे आरोपों सहित 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इमरान खान अभी रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। 18 अगस्त को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि उन्हें जांच और इलाज के लिए इस्लामाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में भेजा जाए, क्योंकि उनकी सेहत को लेकर चिंताएं थीं, खासकर उनकी आंखों से जुड़ी समस्या के कारण।

एफबीआई ने ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने पर लॉस एंजिलिस में महिला को पकड़ा

बैकॉक। एफबीआई ने लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला को गिरफ्तार किया है जिस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग उर्फ हीदर ने अमेरिका में रहते हुए चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी बिल एसेली ने सोशल मीडिया पर बताया कि 34 वर्षीय झांग को चीन के लिए एक अपंजीकृत एजेंट के रूप में काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि झांग ने अपने लक्ष्य की तस्वीरें और वीडियो बनाए तथा उनके वाहनों के नंबरों की जानकारी चीनी अधिकारियों को भेजी। झांग को चीन जाने वाली उड़ान में सवार होने से पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी राष्ट्रीयता स्पष्ट नहीं हो सकी है और उसका प्रतिनिधित्व करने वाले वकील का तत्काल पता नहीं चल सका। उसे सोमवार को लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश किया जाना था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति लाई चिंग–ते के रिश्तेदार निशाना बनाए गए थे, हालांकि उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि इनमें राष्ट्रपति के बेटे शामिल थे या नहीं। कार्यालय ने इसे ‘सीमापार दमन का एक पारंपरिक मामला’ बताया। प्रवक्ता कैरेन कुओ ने एक बयान में कहा, ‘‘ताइवान ऐसे बर्बर कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करता है, जो मानवाधिकारों और राष्ट्रीय संप्रभुता की अनदेखी करते हैं तथा स्वतंत्रता और लोकतंत्र की वकालत करने वाले लोगों या उनके परिवारों को दबाने, धमकाने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते हैं। ऐसे व्यवहार को सभ्य दुनिया में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।’’ अमेरिका में चीन के दूतावास ने सोमवार को टिप्पणी के अनुरोध का तत्काल जवाब नहीं दिया। बीजिंग में चीन का विदेश मंत्रालय अवकाश के कारण बंद था।

यूएस की नौसैनिक नाकाबंदी के बीच ईरान के तेल मंत्री ने छोड़ा पद, संकट में Crude Oil एक्सपोर्ट

ईरान के तेल मंत्री मोहसेन पाकनेजाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी के प्रमुख को अस्थायी तौर पर नियुक्त किया गया है, क्योंकि अमेरिका तेहरान के पेट्रोलियम शिपमेंट पर सख्त नौसैनिक नाकाबंदी लागू किए हुए है। सरकारी मीडिया आउटलेट रूद के एक बयान के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने इस्तीफ़ा स्वीकार कर लिया और छ्छ के प्रमुख हामिद बोवार्ड को कार्यवाहक तेल मंत्री नियुक्त किया। सरकारी टेलीविजन पर ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय के एक प्रवक्ता का इंटरव्यू दिखाया गया, जिसमें बताया गया कि पाकनेजाद ने पहले वैनजी कारगों से पद छोड़ने की पेशकश की थी, हालांकि उनके शुरुआती अनुरोध को ठुकरा दिया गया था। पेज़ेश्कियन ने शुरू में मंत्री से पद पर बने रहने का आग्रह किया था, लेकिन पाकनेजाद के अपनी बात पर अड़े रहने के बाद आखिरकार इस्तीफा मंजूर कर लिया। उनके पद छोड़ने के बाद राष्ट्रपति ने फ़्दनकी कोशिशों और सच्ची सेवा की तारीफ़ की। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के दौरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य ें जतपज वॉ भ्वतउरत्र) एक अहम तनावपूर्ण इलाका बन गया है। फरवरी के आखिर में अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमले किए जाने से पहले, यह अहम समुद्री रास्ता दुनिया भर के कच्चे तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएन) के 20 प्रतिशत शिपमेंट को संभालता था।

बाद काफिला रात में चारसड्डा इंटरचेंज के पास रुकेगा।

8 अक्टूबर: चारसड्डा और मोहमंद से लोग दोपहर 12:30 बजे काफिले में शामिल होंगे। इमरान खान 2023 से जेल में हैं।

73 साल के पूर्व क्रिकेटर और राजनेता इमरान खान 2023 से जेल में हैं। उन पर भ्रष्टाचार और हिंसा भड़काने जैसे आरोपों सहित 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। इमरान खान अभी रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। 18 अगस्त को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि उन्हें जांच और इलाज के लिए इस्लामाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में भेजा जाए, क्योंकि उनकी सेहत को लेकर चिंताएं थीं, खासकर उनकी आंखों से जुड़ी समस्या के कारण।

एफबीआई ने ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने पर लॉस एंजिलिस में महिला को पकड़ा

बैकॉक। एफबीआई ने लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला को गिरफ्तार किया है जिस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग उर्फ हीदर ने अमेरिका में रहते हुए चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी बिल एसेली ने सोशल मीडिया पर बताया कि 34 वर्षीय झांग को चीन के लिए एक अपंजीकृत एजेंट के रूप में काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि झांग ने अपने लक्ष्य की तस्वीरें और वीडियो बनाए तथा उनके वाहनों के नंबरों की जानकारी चीनी अधिकारियों को भेजी। झांग को चीन जाने वाली उड़ान में सवार होने से पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी राष्ट्रीयता स्पष्ट नहीं हो सकी है और उसका प्रतिनिधित्व करने वाले वकील का तत्काल पता नहीं चल सका। उसे सोमवार को लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश किया जाना था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति लाई चिंग–ते के रिश्तेदार निशाना बनाए गए थे, हालांकि उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि इनमें राष्ट्रपति के बेटे शामिल थे या नहीं। कार्यालय ने इसे ‘सीमापार दमन का एक पारंपरिक मामला’ बताया। प्रवक्ता कैरेन कुओ ने एक बयान में कहा, ‘‘ताइवान ऐसे बर्बर कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करता है, जो मानवाधिकारों और राष्ट्रीय संप्रभुता की अनदेखी करते हैं तथा स्वतंत्रता और लोकतंत्र की वकालत करने वाले लोगों या उनके परिवारों को दबाने, धमकाने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते हैं। ऐसे व्यवहार को सभ्य दुनिया में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।’’ अमेरिका में चीन के दूतावास ने सोमवार को टिप्पणी के अनुरोध का तत्काल जवाब नहीं दिया। बीजिंग में चीन का विदेश मंत्रालय अवकाश के कारण बंद था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
 7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़
संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल स्व.श्रीमती साधना सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं. 9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।